डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका की ओर से ईद-उल-अज़हा की मुबारकबाद

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 17 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 25 मई से 31 मई 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026'

मुख्यमंत्री ने गंगा दशमी के अवसर पर बीसलपुर बांध से किया अभियान का शुभारंभ

-25 मई से 5 जून तक संचालित होगा अभियान

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गंगा दशमी के अवसर पर टोंक स्थित बीसलपुर बांध से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बीसलपुर बांध पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत जल पूजन किया और प्रदेश में अच्छी बारिश के लिए कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बीसलदेव महादेव मंदिर के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषि-मुनियों की तपस्या से गंगा दशहरा के दिन ही पृथ्वी पर मां गंगा अवतरित होकर हमारी जीवनदायनी बनी। हमारी सरकार द्वारा पिछले साल भी वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान चलाकर प्रदेशभर में बांध, तालाब, सरोवर एवं एनिकट सहित जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं सफाई के कार्य किए गए थे। इस वर्ष भी आज से इस अभियान की शुरुआत की जा रही है। अभियान के तहत प्रदेशभर में सभी सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागी बनकर जल संरक्षण से जुड़े कार्य करेंगे। उन्होंने

कहा कि जल ही जीवन है और आमजन इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाकर जल संरक्षण अभियान को सफल बनाएं।

बीसलपुर बांध का अवलोकन करने वाले पहले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने बीसलपुर बांध पहुंचकर स्काडा प्रणाली का पूरा अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बीसलपुर बांध पूर्वी राजस्थान के जिलों में निर्बाध पानी की आपूर्ति का एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बांध क्षेत्र में नई संरचनाओं का निर्माण किया जाए।

शेष पृष्ठ 2 पर....

ईद पर मुसलमानों के लिए जरुरी इत्तिला....

भाइयों, अभी कुछ दिन बाद ईद-उल-अज़हा (बकरा ईद) का त्यौहार आने वाला है जिस पर हमारे अधिकतर भाई कुर्बानी करते हैं।

कुर्बानी के समय ये सावधानियाँ बहुत जरूरी हैं:

1- केवल कानूनी और अनुमति प्राप्त जानवर की ही कुर्बानी करें।
अपने राज्य के कानून का पालन करें।
जिन जानवरों पर प्रतिबंध है, उनकी कुर्बानी बिल्कुल न करें।
जानवर खरीदते समय जरूरी कागजात रखें।

2- कुर्बानी के जानवर की सार्वजनिक रूप से नुमाइश न करें, अपने घर पर ही रखें।

3- सार्वजनिक जगहों पर कुर्बानी न करें
सड़क, गली, पार्क या खुले सार्वजनिक स्थानों से बचें।

4- प्रशासन द्वारा तय स्थान या अपने निजी परिसर का ही उपयोग करें। कई नगर निगमों ने निर्धारित स्थान तय किए हैं।

5- सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें
खून, अवशेष और कचरा खुले में न छोड़ें।प्लास्टिक बैग में पैक करके जमीन के अंदर दफन कर दें या नगरपालिका के निर्देश अनुसार निस्तारण करें।
आसपास बदबू या गंदगी न फैलने दें। सरकार ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम भी सख्त किए हैं।

6- सोशल मीडिया पर फोटो/वीडियो डालने से बचें।
कुर्बानी की तस्वीरें या वीडियो पोस्ट करने से विवाद और गलतफहमियाँ बढ़ सकती हैं।

7- पड़ोसियों और अन्य धर्मों की भावनाओं का सम्मान करें।
तेज आवाज, बहस या उकसाने वाली बातों से बचें।

शेष पृष्ठ 2 पर....

राजस्थान विश्वविद्यालय में फीस दोगुनी होने पर छात्र नेताओं ने खोला मोर्चा

-रॉयल पत्रिका की ग्राउंड रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा
-शिक्षा हुई महंगी छात्र नेताओं ने खोला मोर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विश्वविद्यालय में लगातार बढ़ती जा रही फीस के खिलाफ छात्र नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है और उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। रॉयल पत्रिका के ग्राउंड रिपोर्टर जावेद अख्तर ने इस गंभीर मुद्दे पर छात्र नेता शुभम रेवाड़ से खास बातचीत की। शुभम रेवाड़ ने बताया कि प्रदेश में आज शिक्षा के जो हालात हैं, उससे बुरे हालात कभी नहीं आ सकते। राजस्थान विश्वविद्यालय में हर साल फीस की बेतहाशा बढ़ोतरी की जा रही है, लेकिन इसके विपरीत छात्रों को मिलने वाली सुविधाएं और शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। 10 साल के भीतर फीस सीधे रु.29,000 से बढ़ाकर लगभग रु.55,000 यानी दोगुनी कर दी गई है।

सुविधाओं के नाम पर मिल रहा सिर्फ सन्नाटा

छात्र नेता ने आरोप लगाया कि एक आम विद्यार्थी जब 95 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर बड़े सपनों के साथ इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में दाखिला लेता है, तो उसे यहाँ आकर घोर निराशा हाथ लगती है। यूनिवर्सिटी के भीतर नियमित कक्षाएं नहीं लग रही हैं। विद्यार्थियों के बैठने के लिए न तो ढंग की टेबल-कुर्सी है, न पीने के लिए साफ पानी की व्यवस्था है और न ही सुचारू वाशरूम (शौचालय) की सुविधा है। सेंट्रल लाइब्रेरी से लेकर पूरे कैंपस में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। फीस बढ़ाने के बावजूद छात्रों को प्रताड़ित किया जा रहा है, जिससे विश्वविद्यालय अब किसी सरकारी संस्थान के बजाय प्राइवेट यूनिवर्सिटी जैसा बनता जा रहा है।

रिवैल्यूएशन के नाम पर हो रही खुली लूट

शुभम रेवाड़ ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इसे 'शिक्षा का बाजार' करार दिया। उन्होंने कहा कि पैसों की वसूली के लिए जानबूझकर होनहार छात्रों को एक या दो नंबरों से फेल कर दिया जाता है या उनकी बैक लगा दी जाती है। इसके बाद रिवैल्यूएशन (पुनर्मूल्यांकन) के नाम पर उनसे मोटी फीस वसूली जाती है। दिन-रात मेहनत करने वाले लगभग 80 प्रतिशत छात्रों की किसी न किसी विषय में बैक लगा दी जाती है, जिससे छात्र और उनके माता-पिता मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। यह सब केवल यूनिवर्सिटी के खजाने और कुछ भ्रष्ट लोगों के पेट भरने के लिए किया जा रहा है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

सड़क चौड़ीकरण की जद में आई मालवीय नगर की इकलौती मस्जिद

- बिना नोटिस JDA की कार्रवाई से स्थानीय लोगों में आक्रोश

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के मालवीय नगर इलाके में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सड़क चौड़ीकरण को लेकर की जा रही कार्रवाई से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। मालवीय नगर के नंदपुरी कॉलोनी से जगतपुरा फाटक को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग को 40 फीट से बढ़ाकर 80 फीट करने के लिए जेडीए ने कई इमारतों को ढहा दिया है। इस कार्रवाई की जद में कई मंदिरों के साथ-साथ मालवीय नगर क्षेत्र की इकलौती मस्जिद भी आ गई है, जिसका शत-प्रतिशत हिस्सा सड़क सीमा में आ रहा है। ईद के त्यौहार से ठीक पहले हुई इस कार्रवाई और मस्जिद पर मंडराते संकट को लेकर क्षेत्र के मुस्लिम समाज और स्थानीय निवासियों में चिंता का माहौल है।

बिना नोटिस और समय दिए कार्रवाई का आरोप

स्थानीय निवासियों और प्रभावित लोगों ने जेडीए प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है कि जेडीए ने अखबारों में तीन दिन का समय देने का झूठा दावा किया है, जबकि हकीकत में उन्हें स्वयं अपना निर्माण हटाने के लिए एक दिन का समय भी नहीं दिया गया। वर्ष 2021 के बाद विभाग द्वारा कोई नया नोटिस जारी नहीं किया गया और अचानक आकर यह तोड़फोड़ शुरू कर दी गई। इस अचानक हुई कार्रवाई के कारण लोगों को अपने घरों का सामान व्यवस्थित करने का मौका नहीं मिला, जिससे उनका भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस भीषण गर्मी के मौसम में कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

वक्फ बोर्ड की संपत्ति, नहीं ली गई एनओसी

मस्जिद कमेटी के सदस्य और स्थानीय एडवोकेट अनवर खान ने बताया, "यह मस्जिद करीब 45 साल पहले निजी प्लॉट खरीदकर बनाई गई थी, जिसका बाद में वक्फ बोर्ड में बाकायदा रजिस्ट्रेशन कराया गया था। यह किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, बल्कि वक्फ की संपत्ति है।" उन्होंने आरोप लगाया कि जेडीए द्वारा न तो वक्फ बोर्ड को कोई नोटिस दिया गया है और न ही इस संबंध में कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) लिया गया है। खान ने आगे कहा कि मालवीय नगर क्षेत्र में यह इकलौती मस्जिद है और जेडीए की नाप के अनुसार इसका कोई भी हिस्सा शेष नहीं बच रहा है। यदि सड़क निर्माण के लिए इसे हटाना अनिवार्य है, तो सरकार को इसके बदले दूसरी जमीन और उचित मुआवजा देना चाहिए। बिना वैकल्पिक जमीन आवंटित किए मस्जिद को हटाना संभव नहीं होगा।

सड़क चौड़ी होने से बढ़ेगी वैल्यू, लेकिन मुआवजे की मांग

कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों के मिले-जुले सुर भी सामने आ रहे हैं। कुछ बुजुर्ग निवासियों का मानना है कि 80 फीट चौड़ी सड़क निकलने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधाएं सुधरेंगी और भविष्य में जमीनों की कीमतें आसमान छुएंगी। हालांकि, वे भी जेडीए की कार्य शैली से असहमत दिखे। उनका कहना था कि यदि प्रशासन लोगों को 15 से 20 दिन का उचित समय दे देता, तो तोड़फोड़ से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता था। लोगों ने मांग की है कि जिन लोगों की गाढ़ी कमाई से बने मकान इस कार्रवाई में उजड़ गए हैं, उन्हें सरकार द्वारा तुरंत उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। फिलहाल, मौके पर जेडीए के अधिकारी नाप-चौप की प्रक्रिया में जुटे हैं और मस्जिद कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बातचीत का दौर जारी है। सर्वधर्म समभाव के इस मामले पर अब जेडीए और प्रशासन के अगले कदम पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

रामलाल शर्मा ने चौमूं में इण्डेल मनी शाखा का शुभारंभ किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं शहर के धौलीमंडी स्थित बैंक ऑफ इंडिया के पास देश की प्रतिष्ठित गोल्ड लोन कंपनी इण्डेल मनी (Indel Money) की नई शाखा का भव्य उद्घाटन किया गया। यह पूरे भारत में कंपनी की 401वीं शाखा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा रहे, जिन्होंने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर शाखा का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामलाल शर्मा ने कहा कि चौमूं क्षेत्र में वित्तीय सेवाओं के विस्तार से स्थानीय व्यापारियों और आमजन को काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि कंपनी अपनी बेहतरीन सेवाओं से क्षेत्र के विकास में सहभागी बनेगी। इण्डेल मनी कंपनी की विश्वसनीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा क्वालिटी बिजनेस के लिए अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। उद्घाटन समारोह के दौरान मदन लाल कुमावत, संदीप शर्मा, भारत भूषण पारीक सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके साथ ही इण्डेल मनी के एरिया मैनेजर वीरेंद्र सिंह, चौमूं ब्रांच मैनेजर माही चौधरी और समस्त स्टाफ ने आए हुए अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

जिला क्रिकेट संघ के सदस्यों व पदाधिकारियों द्वारा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेश गोयल चक्की का अभिनंदन किया गया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर द्वारा इंदिरा मैदान में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेश गोयल चक्की के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं क्रिकेट प्रेमियों ने नव नियुक्त अध्यक्ष का स्वागत कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला क्रिकेट संघ के सचिव डॉ. संगीत गर्ग ने कहा कि आने वाले समय में सवाई माधोपुर के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि जिला क्रिकेट संघ प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, प्रतियोगी वातावरण एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राजेश गोयल चक्की ने कहा कि सवाई माधोपुर में लंबे समय से क्रिकेट स्टेडियम की मांग चली आ रही है। इसके लिए शीघ्र ही राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से मुलाकात कर जिले को आधुनिक सुविधाओं से युक्त उत्कृष्ट क्रिकेट स्टेडियम उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। समारोह में जिला क्रिकेट संघ के सदस्य रामहरि चौधरी, कोषाध्यक्ष कमलेश गुर्जर, पूर्व अध्यक्ष रामराज चौधरी सहित राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा नियुक्त चयनकर्ता कुलदीप सिंह एवं सिद्धार्थ जोशी भी उपस्थित रहे। जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर द्वारा कॉल्विन शील्ड टूर्नामेंट-2026 के लिए जिले की टीम की घोषणा भी की गई। टीम का कप्तान विशाल गौतम एवं उपकप्तान युवराज मीणा को बनाया गया है। टीम में तनिष सिंघल, कृष्णा गुप्ता, कल्पेश शर्मा, शोएब खान, वसीम अकरम, योगेश मारोठा, रोहित गोवंदा, अंकित शर्मा, मुस्तकीम खान, देवेंद्र शर्मा, मनजीत मीणा, प्रतीक शर्मा, निखिल सिंह चौहान एवं अभिषेक प्रधान का चयन किया गया है। वहीं आरक्षित खिलाड़ियों में शिवांग, अयान खान, नीरज थोरवाल एवं भूपेंद्र जांगिड़ को शामिल किया गया है। टीम के कोच मुनिधर चौधरी होंगे। जिला क्रिकेट संघ के सचिव डॉ. संगीत गर्ग ने बताया कि टीम चयन हेतु राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में इंदिरा मैदान पर ट्रायल आयोजित किए गए थे, जिनमें आरसीए द्वारा नियुक्त चयनकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सरदार मीणा को स्कूटी भेंट की

-दिव्यांग सरदार मीणा के चेहरे पर लौटी मुस्कान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मालेरा (जाटावाली) निवासी दिव्यांग सरदार मीणा को उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने के जनसहयोग से एक स्कूटी भेंट की। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का उपस्थित लोगों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया। इस समस्या की जानकारी मिलने पर रामलाल शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत उन्हें स्कूटी उपलब्ध करवाई।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए रामलाल शर्मा ने कहा "मेरा हमेशा से यह प्रयास रहा है कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आए, " इस सेवा कार्य के दौरान क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे, जिनमें भाजपा कार्यालय प्रभारी (उत्तर देहात जयपुर) प्रकाश हाटवाल, महामंत्री जमन लाल सैनी, महामंत्री महेश योगी, पूर्व फल सब्जी मंडी उपाध्यक्ष प्रतिनिधि बन्नालाल शर्मा, प्रशासक छीतर मल कजोड़मल मीणा, गणपत लाल मीणा, पप्पू हाटवाल, रामधन मीणा, सूर्यप्रकाश जांगिड़, गोवर्धन खारवाल, मालीराम खारवाल, संतु खारवाल, मानप्रकाश मीणा और सरदार जाट सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी उपस्थित ग्रामीणों और पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के इस मानवीय और सेवाभावी कार्य की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

फर्जी मेडिकल अवकाश प्रकरण में सरकारी शिक्षक गिरफ्तार

-मनोचिकित्सक की नकली सील बनाकर लेता था मेडिकल लीव, ई-मित्र संचालक भी गिरफ्तार

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने सरकारी चिकित्सक की फर्जी सील बनाकर मेडिकल अवकाश लेने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक सरकारी शिक्षक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक के सहयोगी ई-मित्र संचालक को भी गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना अधिकारी मदन लाल मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह तथा शहर पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी मदन लाल मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में आरोपी सरकारी शिक्षक शहजाद अहमद एवं ई-मित्र संचालक दिनेश सैनी को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शिक्षक ने सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर के मनोचिकित्सक डॉ. गौरव चन्द्रवंशी के नाम की फर्जी सील तैयार करवाई थी। आरोपी लंबे समय से मेडिकल प्रमाण-पत्रों पर फर्जी हस्ताक्षर एवं सील लगाकर विभाग में मेडिकल अवकाश प्राप्त कर रहा था। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि ई-मित्र संचालक दिनेश सैनी लैपटॉप एवं प्रिंटर की सहायता से रोग-अवकाश प्रमाण पत्र तैयार करता था। वह डॉक्टर के नाम की नकली मोहर और हस्ताक्षर लगाकर रंगीन प्रिंट निकालता था। जिसका उपयोग आरोपी शिक्षक अपने विभाग में मेडिकल अवकाश लेने के लिए करता था। पुलिस ने आरोपी ई-मित्र संचालक के कब्जे से लैपटॉप एवं प्रिंटर भी जब्त किए हैं। मामले में दर्ज प्रकरण के तहत आगे की जांच जारी है। थानाधिकारी ने बताया कि 17 मार्च 2026 को सामान्य चिकित्सालय के मनोचिकित्सक डॉ. गौरव चन्द्रवंशी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनके नाम से फर्जी सील बनाकर मेडिकल अवकाश लिए जा रहे हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तकनीकी एवं दस्तावेजी जांच के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रोप वे और मोबाइल नेटवर्क पर जोर, विधायक शिखा मिल बराला ने उठाए जनित मुद्दे

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति जयपुर दिशा की बैठक में चौमूं विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला ने क्षेत्र से जुड़े कई जनिहित मुद्दों को उठाया। उन्होंने सामोद स्थिति वीर हनुमान मंदिर में लंबे समय से बंद पड़े रोप वे को जल बहाल करने की मांग की और मंदिर परिसर में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को गंभीर बताते हुए मोबाइल टावर लगाने का आग्रह किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अगस्त सितंबर 2026 तक टावर स्थापित कर दिया जाएगा। बैठक में विधायक ने विधानसभा क्षेत्र और नगर परिषद क्षेत्र में पेयजल संकट का मुद्दा भी मजबूती से रखा उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को पेयजल और बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है कई गांवों में पाइप लाइने जर्जर हो चुकी है जिन्हें शीघ्र दुरुस्त कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसानों की समस्याओं पर भी चिंता जताते हुए कहा कि केंचुआ, खाद योजना के अंतर्गत सब्सिडी राशि लंबित है। कालाडेरा, सबलपुरा, घीनोई सहित कई गावों के किसानों को अब तक भुगतान नहीं हुआ जिससे वे आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला ने उप जिला अस्पताल के भवन निर्माण की मांग भी उठाई। विधायक ने उप जिला अस्पताल की जर्जर स्थिति पर कहा कि नए अस्पताल भवन के लिए जमीन आवंटित होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने जेडीए और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित का निर्माण कार्य जल शुरू करने की मांग की है। साथ ही कालाडेरा और गोविंदगढ़, सीएचसी में अवस्थाओं और डॉक्टरों की कमी का मुद्दा भी उठाया साथ में गोविंदगढ़ अंडरपास में जल भराव की समस्या पर नाराजगी जताई और स्थाई समाधान कि मांग की।

प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में फूटा जन आक्रोश

-सिविल लाइन्स से जल भवन तक निकाला विशाल मार्च

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजधानी जयपुर में जनसमस्याओं और विशेषकर पेयजल संकट को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर पहुंच गईं। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में आम लोगों और कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विभाग और प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सिविल लाइन्स से शुरू हुआ यह पैदल मार्च जल भवन (पीएचईडी मुख्यालय) तक पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। इस विशाल विरोध मार्च में खाचरियावास के साथ प्रमुख नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज और अमीन पठान भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इन शीर्ष नेताओं की मौजूदगी ने इस मार्च को एक बड़ा स्वरूप दे दिया।

जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही: खाचरियावास मार्च के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जयपुर की जनता इस भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है, लेकिन संबंधित विभाग और अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू नहीं किया गया और आमजन की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो इस आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा। नेताओं ने एकजुटता दिखाकर भरी हुंकार मार्च में शामिल पुष्पेंद्र भारद्वाज और अमीन पठान ने भी जनता के सुर में सुर मिलाते हुए विभाग की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। नेताओं ने कहा कि जनता के अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सैकड़ों लोगों का यह हुजूम तख्तियां और बैनर हाथों में लेकर सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए जल भवन पहुंचा। सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम मार्च के जल भवन पहुंचने पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। जगह-जगह बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन आक्रोशित जनता और कार्यकर्ताओं के भारी दबाव के आगे पुलिस को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद नेताओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर जनहित की समस्याओं को तुरंत दूर करने की समयबद्ध मांग रखी।

मौज से डरना कैसा

मैं ना चुपचाप जवानी बिताने वाला
हूं सरे बाजार इक गीत सुनाने वाला
पूछ न कैसे झूठ बोला जाता है
आईने में हूं आज झूठ दिखाने वाला
जिनके बारे में कभी सोचा ना था
ऐसे लोगों के हूं राज़ बताने वाला
वो तो हरजाई है लौट कर ना आएगा
कोई तो होगा उसको भी सताने वाला
ज़िन्दगी मौज फिर मौज से डरना कैसा
दिलजला है जो बताता है डराने वाला
हौसला देखकर अफसुरदा हैं दुश्मन सारे
ख़ौफ की ज़द में है हथियार बनाने वाला

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10,000+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।

तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ एक का शेष....

ईद पर मुसलमानों के लिए जरुरी इत्तिला....

बच्चों और आम लोगों के सामने ऐसा दृश्य न हो जिससे असहजता फैले।

त्योहार को अमन और भाईचारे के साथ मनाएँ।

8- सरकारी निर्देशों और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें

स्थानीय प्रशासन की एडवाइजरी जरूर पढ़ें।

किसी अफवाह पर भरोसा न करें।

कोई विवाद हो तो खुद प्रतिक्रिया देने के बजाय प्रशासन को सूचित करें।

9- स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखें

कुर्बानी करने वाले व्यक्ति को अनुभव होना चाहिए।

दस्ताने, पानी और सफाई की व्यवस्था रखें।

बच्चों को खतरनाक औजारों से दूर रखें।

गरीबों और जरूरतमंदों का विशेष ख्याल रखें

कुर्बानी का असली मकसद तक़्वा, त्याग और जरूरतमंदों की मदद है।

कुर्बानी के गोश्त को गरीबों, रिश्तेदारों और जरूरतमंद परिवारों में बाँटना सुन्नत है।

10- कुर्बानी के गोश्त को लाने या लेजाने में विशेष सावधानी बरतें।

विवादित व असुरक्षित रास्तों से जाने से बचें।

शुक्रिया !

गुज़ारिश कर्दा : मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन-MPF

पृष्ठ एक का शेष....

मुख्यमंत्री ने गंगा दशमी के अवसर पर बीसलपुर बांध से किया.....

साथ ही, बनास नदी को रिचार्ज करने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जाएं, ताकि वर्षाजल संग्रहण और भू-जल पुनर्भरण को मजबूती मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को श्रृंखलाबद्ध एनिकट निर्माण तथा आवश्यक स्थानों पर गेट लगाए जाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण एवं जलसंग्रहण के कार्य पूरी कार्ययोजना और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ किए जाएं, ताकि अधिकतम वर्षाजल का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बांध की व्यवस्थाओं, जलसंग्रहण प्रणाली तथा स्काडा सिस्टम की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य अभियंता जल संसाधन भुवन भास्कर ने वीडियो प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्काडा प्रणाली की जानकारी दी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने ईसरदा बांध का हवाई सर्वेक्षण कर जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। गौरतलब है कि रामजल सेतु लिंक परियोजना का फीडर चैनल तीन प्रमुख बांधों ईसरदा, गलवा एवं बंध बरेठा से गुजरता है। उल्लेखनीय है कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत 25 मई से 5 जून तक प्रदेशभर में जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गांव-गांव में कुएं, बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई, श्रमदान, जल चौपाल, प्रभात फेरी, पौधारोपण तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही, विभिन्न विभागों द्वारा नए जल संरक्षण कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी किया जाएगा। इस दौरान जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, विधायक राजेन्द्र गुर्जर, शत्रुघ्न गौतम, रामसहाय वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष....

राजस्थान विश्वविद्यालय में फीस दोगुनी होने पर....

गरीब और किसान के बच्चे होंगे बेदखल

फीस में की गई इस भारी बढ़ोतरी का सबसे बुरा असर ग्रामीण और किसान परिवारों से आने वाले गरीब छात्रों पर पड़ेगा।

छात्र नेता ने कहा कि एक गरीब किसान अपने बच्चों को खेत में काम छोड़कर इस उम्मीद के साथ राजधानी जयपुर पढ़ने भेजता है कि उसका बच्चा पढ़-लिखकर बड़ा अधिकारी बनेगा और परिवार की स्थिति सुधारेगा। लेकिन रु.55,000 की भारी-भरकम फीस एक आम नागरिक की पहुंच से बिल्कुल बाहर है। यदि फीस इसी तरह बढ़ती रही, तो यह सीधे तौर पर नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा से दूर करने और उन्हें पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर करने का एक सोचा-समझा षड्यंत्र साबित होगा।

घाटे के नाम पर हो रहा बड़ा भ्रष्टाचार

जब यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा रु.58 करोड़ का घाटा होने की दलील देकर फीस बढ़ाने की बात कही गई, तो छात्र नेता ने इसे सीधे तौर पर खारिज कर दिया। शुभम रेवाड़ ने मीडिया के माध्यम से वाइस चांसलर (कुलपति) को खुला चैलेंज देते हुए कहा कि प्रशासन सामने आकर स्पष्टीकरण दे कि यह घाटा कहाँ हुआ है? उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय भले ही घाटे में हो, लेकिन यहाँ का प्रशासन और वाइस चांसलर अपने घर भर रहे हैं। राजस्थान की पहचान माने जाने वाले 'यूथ फेस्टिवल' और 'घूमर' कार्यक्रम को कड़ी धूप में मात्र 15 मिनट में खत्म कर दिया गया और उसके नाम पर करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया।

तीन लाख छात्रों के भविष्य पर मंडराया संकट

रॉयल पत्रिका के इस विशेष बुलेटिन में रिपोर्टर जावेद अख्तर ने बताया कि राजस्थान यूनिवर्सिटी द्वारा फीस बढ़ाए जाने के बाद अब देखा-देखी अन्य संबद्ध कॉलेजों ने भी अपनी फीस में भारी इजाफा कर दिया है। प्रशासन के इस फैसले से सीधे तौर पर करीब 3 लाख छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होने वाली है। यूनिवर्सिटी ने यूजी (UG), पीजी (PG) और यहाँ तक कि पीएचडी (PhD) तक की फीस को सीधे डबल कर दिया है। छात्र नेताओं ने साफ कर दिया है कि चाहे छात्र संघ चुनाव हों या न हों, वे इस तानाशाही और फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अपनी आखिरी सांस तक लड़ेंगे और प्रशासन को पीछे हटने पर मजबूर करेंगे।

किस कोर्स में कितनी ट्यूशन फीस बढ़ी

यूजी (सेल्फ फाइनेंसिंग)	गत वर्ष	नया सत्र	पीजी (सेल्फ फाइनेंसिंग)	गत वर्ष	नया सत्र
बीकॉम (पासकोर्स)	3890	4280	एमसीए	24200	26620
बीए (पासकोर्स)	3610	3970	एमएससी आईटी	27230	29950
बीबीए	11080	12190	एमबीए (सर्विस मैने.)	68450	75295

एमए इंग्लिश, हिंदी, संस्कृत, एमकॉम सहित 50 से ज्यादा कोर्स में फीस बढ़ाई गई है।

नाहरवाड़ा स्कूल के 300 से अधिक निर्धन बच्चों की पढ़ाई छूटी, बेटियां घर बैठने को मजबूर

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के किशनपोल विधानसभा अंतर्गत जगन्नाथ शाह रास्ते में स्थित 'राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नहारवाड़ा' आज केवल एक स्कूल नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की घोर संवेदनहीनता का सबसे बड़ा जीवित स्मारक बन चुका है। वर्ष 1934 (महाराजा काल) में स्थापित इस ऐतिहासिक और गौरवमयी विद्यालय ने अपनी नौ दशकों की यात्रा में देश को कई शीर्ष आईएएस (IAS) और आईपीएस (IPS) अधिकारी दिए, जिन्होंने देश के विकास की नीतियां बनाईं। लेकिन आज इस स्कूल की स्थिति खुद बदहाली के आंसू बहा रही है। शिक्षा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) और स्थानीय प्रशासन की त्रिकोणीय लापरवाही के कारण आज यह स्कूल पूरी तरह से खंडर में तब्दील हो चुका है। पिछले तीन वर्षों से इसके मुख्य द्वारों पर लगे भारी-भरकम ताले जंग खा रहे हैं और इसके भीतर बच्चों के भविष्य की जगह कचरे और आवारा पशुओं का साम्राज्य है। स्थानीय विधायक अमीन कागजी यहां से सात साल विधायक है। जिन्होंने 4.5 करोड़ रुपए का फंड विधायक कोटे से मंजूर कर रखा है। लेकिन 3 साल पहले स्कूल निर्माण के लिए दिये गए इस फंड से स्कूल निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। काफी स्थानीय लोंगो का कहना है की विधायक अमीन कागजी स्कूल निर्माण करवाने में राजनीती कर रहे है।

ग्राउंड जीरो की भयावह स्थिति: जब रक्षक ही बन गए भक्षक:-

जब 'रॉयल पत्रिका' के रिपोर्टर जावेद अख्तर ने मौके पर जाकर जमीनी हकीकत देखी, तो वहां के दृश्य झकझोर देने वाले थे। जहां कभी सुबह के समय देश के भविष्य (मासूम बच्चों) की प्रार्थना और राष्ट्रीय गान गूंजता था, वहां आज सन्नाटे के बीच केवल मक्खियां भिनभिना रही हैं। स्कूल की बहुमंजिला इमारत पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, प्लास्टर उखड़कर गिर रहा है और खिड़कियों के शीशे टूटे पड़े हैं। कड़ी धूप और प्रशासनिक रख-रखाव के अभाव में परिसर में स्थित पानी की बड़ी टंकी पूरी तरह टूटकर बिखर चुकी है। शौचालय और वाशरूम की स्थिति इतनी वीभत्स है कि वहां महामारी फैलने का खतरा बना हुआ है। सबसे गंभीर बात यह है कि स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस बेशकीमती और खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अब स्थानीय भू-माफियाओं की गिद्ध दृष्टि लग चुकी है, जो अंदर ही अंदर इसे हड़पने या अवैध कब्जे की साजिश रच रहे हैं। हाल ही में स्कूल की एक जर्जर दीवार ढहने से बड़ा हादसा होते-होते टला, जिसके बाद स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

शिक्षा के अधिकार का हनन: 300 मासूम बच्चों का भविष्य अंधकारमय:-

प्रशासनिक विफलता का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि स्कूल बंद होने के कारण इस घनी आबादी वाले क्षेत्र के बच्चों को करीब 1 किलोमीटर दूर 'महाराजा स्कूल' (बड़ी चौपड़) में शिफ्ट कर दिया गया। रामचंद्र जी की चौकड़ी और आसपास के इस पूरे क्षेत्र की आबादी लगभग एक लाख है, जिसमें 90% प्रतिशत से अधिक परिवार बेहद गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक और अल्पसंख्यक समाज से आते हैं। इन गरीब परिवारों के पास अपने बच्चों को ऑटो या अन्य साधनों से दूर भेजने की आर्थिक क्षमता नहीं है। व्यस्त सड़कों को पार करके इतनी दूर जाना छोटे बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। परिणाम यह हुआ कि पिछले तीन सालों में लगभग 300 से अधिक मासूम बच्चों ने स्कूल से अपना नाम कटवा लिया। इनमें सबसे ज्यादा संख्या उन गरीब बेटियों की है, जिन्हें सुरक्षा और दूरी के कारण उनके माता-पिता ने घर पर बैठा दिया है या फिर वे छोटी उम्र में ही बाल श्रम (मजदूरी) करने को मजबूर हो गए हैं। डिजिटल इंडिया और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के नारों के बीच यह जमीनी हकीकत सरकारी दावों की धज्जियां उड़ा रही है।

विस्तृत बयान: किसका क्या है कहना?

पूर्व अध्यक्ष हाजी निजामुद्दीन का ऐतिहासिक संदर्भ और बजट का खुलासा:

नाहरवाड़ा स्कूल के साथ लगभग 18 वर्षों (1997 से) तक अध्यक्ष के रूप में जुड़े रहे हाजी निजामुद्दीन ने बेहद भावुक और आक्रोशित लहजे में कहा— "यह स्कूल हमारा गौरव रहा है। एक दौर था जब यहां कमरे कम थे और बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ते थे। तब हमने तत्कालीन वरिष्ठ नेता पंडित नवल किशोर जी शर्मा से फंड लिया, 'राजस्थान पत्रिका' के जनसहयोग अभियानों को जोड़ा और मेहनत करके इस स्कूल की दो मंजिला शानदार इमारत खड़ी की, जिसमें 12 आधुनिक कमरे बनवाए। हमने इस स्कूल को प्रमोट करवाकर 12वीं तक अंग्रेजी माध्यम (English Medium) करवाया था ताकि गरीब के बच्चे भी बड़े अफसर बन सकें। जब वर्तमान विधायक अमीन कागजी चुनाव जीते, तो हमने उनके सामने गिड़गिड़ाकर इस स्कूल के पुनरुद्धार की मांग रखी। उन्होंने हमारी बात सुनी भी और विधायक कोटे से ₹4 करोड़ 45 लाख का भारी-भरकम बजट स्वीकृत करवा दिया। लेकिन कागजों पर बजट आने के बाद जो हुआ, वो प्रशासनिक नाकामी का सबसे बड़ा उदाहरण है। जिस कांट्रैक्टर को टेंडर दिया गया, उसने यह कहकर काम छोड़ दिया कि रास्ता बहुत संकरा है, गाड़ियां अंदर नहीं आ सकतीं और गधों पर लादकर सीमेंट-बजरी ले जानी पड़ेगी। मैं पूछता हूँ कि अगर विधायक या क्षेत्र के पार्षद थोड़े संजीदा होते, तो क्या वे कांट्रैक्टर की समस्या का समाधान नहीं निकाल सकते थे? प्रशासन की इसी सुस्ती ने आज 300 बच्चों को अनपढ़ रहने पर मजबूर कर दिया।"

स्थानीय विधायक अमीन कागजी की सफाई :-

इस पूरे विवाद और जनता के आक्रोश पर जब 'रॉयल पत्रिका' ने किशनपोल विधायक अमीन कागजी से सीधा सवाल किया, तो उन्होंने अपनी सफाई में तकनीकी पेचीदगियों का हवाला दिया— "मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि बच्चों को परेशानी हो रही है और स्कूल की स्थिति खराब है, लेकिन मेरी नीयत में कोई खोट नहीं है। मैंने खुद आगे बढ़कर अपने विधायक कोटे से ₹4 करोड़ से अधिक की राशि इसके लिए स्वीकृत करवाई है। इस काम को शुरू करने के लिए एक बार नहीं, बल्कि तीन-तीन बार सरकारी टेंडर जारी किए गए। लेकिन चारदीवारी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घनी आबादी और संकरे रास्तों के कारण कोई भी बड़ा ठेकेदार (बीडर) वहां मशीनें और निर्माण सामग्री ले जाने को तैयार नहीं होता। स्कूल के बिल्कुल पास लोगों ने चार से पांच मंजिला अवैध और वैध मकान बना लिए हैं। अगर हम बिना सोचे-समझे वहां भारी खुदाई या निर्माण शुरू कर दें, तो उन रिहाइशी मकानों के ढहने का खतरा है। हमें उन मकानों को भी सुरक्षा (प्रोटेक्शन) देनी है। इसी वजह से एक विशेष 'टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट' तैयार करवाई गई है। पहले इसकी निर्माण एजेंसी PWD थी, लेकिन उनकी विफलता के बाद अब हमने इसकी कमान 'नगर निगम' को सौंपी है। वर्तमान में यह फाइल टेक्निकल सैंक्शन (TS) के लिए DLB (स्थानीय निकाय विभाग) भेजी गई है, क्योंकि इसमें बिजली, पानी और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के नए कंपोनेंट्स जोड़े गए हैं। महाराजा स्कूल की दूरी केवल 150 से 200 मीटर ही है, 1 किलोमीटर नहीं। बहरहाल, अगले 10 से 15 दिनों में नगर निगम इसका बिल्कुल नया टेंडर जारी करने जा रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार सभी तकनीकी बाधाएं दूर कर ली गई हैं और अगले ६ महीनों के भीतर स्कूल का पुनर्गठन और भव्य निर्माण कार्य धरातल पर दिखाई देगा।"

पूर्व छात्र और भाजपा नेता फरीदुद्दीन जैकी का दर्द:

स्कूल के पूर्व छात्र और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष फरीदुद्दीन जैकी ने अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा— "मेरा इस मिट्टी से सीधा नाता है, मैंने इसी स्कूल से पढ़ाई की है। हमारे समय में यहाँ जयपुर की सबसे बेहतरीन फैकल्टी और पढ़ाई का माहौल हुआ करता था। हमारे पूर्व विधायक मोहन लाल जी गुप्ता ने भी इसकी अहमियत को समझा था और अपने कोटे से ₹15 लाख रुपये इसके तात्कालिक रख-रखाव के लिए दिए थे। उन्होंने आगे के बड़े निर्माण की भी रूपरेखा तैयार की थी, लेकिन राजनीतिक बदलाव के कारण काम रुक गया। पिछले 10 वर्षों से यहाँ अमीन कागजी विधायक हैं, लेकिन उनके पास इस ऐतिहासिक स्कूल को बचाने का समय नहीं है। अधिकारी केवल औपचारिकता निभाने आते हैं, फाइल पर दस्तखत करते हैं और चले जाते हैं। पिछले दिनों जब अंदर की एक दीवार ढही, तो बड़ा हंगामा हुआ था। अगर प्रशासन को लगता है कि वे बच्चों के हक को दबा देंगे, तो यह उनकी भूल है। हम इस लड़ाई को अंतिम अंजाम तक लेकर जाएंगे।"

रॉयल पत्रिका व्यू (Editorial Comment): तकनीकी पेंच बनाम मासूमों का भविष्य:-

यह बेहद विडंबनापूर्ण और निंदनीय है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में ₹4.45 करोड़ की भारी-भरकम राशि सरकारी तिजोरी में होने के बावजूद, केवल 'तकनीकी पेंच' और 'संकरे रास्तों' का बहाना बनाकर एक ऐतिहासिक स्कूल को खंडर बनने दिया गया। नेताओं के आश्वासन अपनी जगह हैं और विभागों की फाइलें अपनी जगह, लेकिन इस बीच जिन 300 बच्चों की पढ़ाई हमेशा के लिए छूट गई, उनके जीवन में आए इस अंधेरे की भरपाई कौन सा विभाग करेगा? विधायक का 6 महीने का नया आश्वासन' जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है या इसमें इस बार कोई सच्चाई है, यह आने वाला समय बताएगा। लेकिन एक बात साफ है— यदि अब भी कदम नहीं उठाए गए, तो कलम पकड़ने वाले ये मासूम हाथ कल को मजदूरी की बेड़ियों में जकड़े नजर आएंगे।

भाजपा के पार्षद प्रत्याशी मुस्ताक अहमद का आंदोलन का अल्टीमेटम:

क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय प्रत्याशी संस्था के प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को आड़े हाथों लिया— "पिछली सरकार के दौरान यहां के विधायक भी सत्ताधारी दल के थे, नगर निगम की महापौर भी उनकी थीं और पूरी व्यवस्था उनके हाथ में थी। इसके बावजूद पूरे 5 साल में इस स्कूल के लिए केवल कागजी घोड़े दौड़ाए गए। चुनाव नजदीक आते ही जनता को गुमराह करने के लिए करोड़ों के बजट की घोषणाएं की गईं, लेकिन धरातल पर एक ईंट तक नहीं रखी गई। इस घोर लापरवाही के सीधे जिम्मेदार हमारे स्थानीय जनप्रतिनिधि हैं। 1 लाख की माइनॉरिटी आबादी वाले इस गरीब क्षेत्र ने उन्हें एकतरफा वोट देकर जिताया था, लेकिन बदले में उन्हें क्या मिला? उनके बच्चों से शिक्षा छीन ली गई। बच्चों को मुख्य मार्ग पार करके 1 किलोमीटर दूर भेजा जा रहा है। क्या कोई मजदूर पिता अपनी दिहाड़ी छोड़कर रोज बच्चों को स्कूल छोड़ने जाएगा? हम इस कागजी बजट को नहीं मानते। हम 'रॉयल पत्रिका' के माध्यम से प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दे रहे हैं— यदि अगले 6 महीनों के भीतर इस खंडर को तोड़कर नए स्कूल का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू नहीं हुआ, तो हम पूरी जनता को सड़कों पर उतारेंगे। यह आंदोलन इतना उग्र होगा कि सचिवालय तक की दीवारें हिल जाएंगी।"

जयपुर में बूंद-बूंद को तरसी जनता

अधिकारियों के झूठ और पार्षद की लापरवाही से बेहाल महिलाओं ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजधानी जयपुर में इन दिनों पानी की किल्लत ने विकराल रूप ले लिया है। जयपुर के वार्ड नंबर 56 के तहत आने वाली नाहरी का नाका, पेंटर कॉलोनी में पिछले एक महीने से अधिक समय से पीने के पानी की बूंद-बूंद के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। स्थानीय निवासी इस भीषण गर्मी में पानी की भारी समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई सुध नहीं ली जा रही है। कॉलोनी के घरों में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। 'जल ही जीवन है' का नारा यहाँ के हालातों को देखकर पूरी तरह खोखला साबित हो रहा है और लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं।

बूंद-बूंद पानी को तरसती बुजुर्ग महिलाएं-

इस गंभीर संकट के बीच सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों को उठानी पड़ रही है। कॉलोनी की बुजुर्ग महिलाएं खाली मटके और डिब्बे लेकर पानी की तलाश में दूर-दूर तक भटकने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें पीने और नहाने के पानी के लिए पास के मंदिर या अन्य दूरदराज के इलाकों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कई दिनों से लोगों को नहाने तक के लिए पानी नसीब नहीं हुआ है। पानी की भारी किल्लत और लगातार भारी बर्तन उठाकर दूर से लाने के कारण कई बुजुर्ग महिलाएं शारीरिक रूप से बीमार और पैरों के दर्द से बेहाल हो चुकी हैं।

आपसी सांठगांठ में पिस रही आम जनता-

स्थानीय निवासियों ने पानी न आने के पीछे अधिकारियों की आपसी मिली -भगत और घोर लापरवाही का सनसनीखेज आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारी अनिल शर्मा अक्सर स्थानीय ऑपरेटर एमडी शेख को फोन करते हैं और पूछते हैं कि कॉलोनी में पानी आया है या नहीं। इस पर एमडी शेख विभाग को गुमराह करते हुए झूठ बोल देता है कि पानी भेज दिया गया है और सप्लाई सुचारू है, जबकि हकीकत में जनता के घरों के नल सूखे पड़े हैं। अधिकारियों के इस झूठ और आपसी सांठगांठ के खेल में कॉलोनी की निर्दोष और बेबस जनता बुरी तरह पिस रही है।

स्थानीय पार्षद और अधिकारियों की घोर लापरवाही-

जनता का सबसे ज्यादा गुस्सा स्थानीय पार्षद असलम और जल विभाग के गैर-जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ फूट रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पार्षद उनकी समस्याओं को सुनने के बजाए अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। जब भी जनता शिकायत लेकर जाती है, तो उन्हें झूठा आश्वासन देकर टाल दिया जाता है। ग्राउंड जीरो से जब रिपोर्टर द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को फोन मिलाकर हकीकत जानने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कॉल को फॉरवर्ड कर दिया और जनता को जवाब देना तक मुनासिब नहीं समझा। अधिकारियों का यह रवैया उनकी संवेदनहीनता को साफ दर्शाता है।

टूटे सब्र के बाद फूटा महिलाओं का-

लगातार हो रही प्रशासनिक अनदेखी के कारण अब स्थानीय जनता का सब्र पूरी तरह से टूट चुका है और कॉलोनी में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पानी के लिए तड़पती बुजुर्ग महिलाओं ने बेहद उग्र रुख अपनाते हुए कड़ी चेतावनी दी है। गुस्से से लाल महिलाओं ने साफ शब्दों में कहा कि "अब आने दो पार्षद को, पत्थर लेकर उसका सिर फोड़ दूंगी और उसे चप्पलों की माला पहनाकर यहाँ से भगाऊंगी।" जनता का कहना है कि वोट लेने के बाद नेता गायब हो जाते हैं, लेकिन अब वे चुप बैठने वाले नहीं हैं और इस बदइंतजामी का करारा जवाब देंगे।

आगामी चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे-

इस प्रशासनिक लापरवाही से तंग आकर अब कॉलोनी की महिलाओं और पुरुषों ने नेताओं को सबक सिखाने का मन बना लिया है। क्षेत्र में जल्द ही स्थानीय चुनाव होने वाले हैं, और इसे लेकर जनता के भीतर गहरा रोष व्याप्त है। कॉलोनी के लोगों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि यदि उनके इलाके में पानी की समस्या का तुरंत स्थाई समाधान नहीं किया गया, तो वे आने वाले चुनाव में पूरी तरह से मतदान का बहिष्कार करेंगे। महिलाओं ने साफ कर दिया है कि पानी नहीं तो वोट नहीं, और चुनाव के दौरान किसी भी नेता को कॉलोनी की दहलीज पर कदम नहीं रखने दिया जाएगा।

जयपुर के झोटवाड़ा में समस्याओं का अंबार

उद्योग नगर और संजय नगर में निगम की लापरवाही, जनता बेहाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के झोटवाड़ा क्षेत्र में स्थित उद्योग नगर और संजय नगर के निवासी इन दिनों नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। क्षेत्र में चारों तरफ पसरी अव्यवस्थाओं, सड़कों की बदहाली और कचरों के ढेरों ने स्थानीय प्रशासन की पोल खोलकर रख दी है । स्थानीय निवासियों में नगर निगम, क्षेत्रीय पार्षद और सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

कचरे के ढेर और बदहाल सड़कें बनीं मुसीबत

उद्योग नगर और संजय नगर की मुख्य सड़कों पर कचरे के बड़े-बड़े और लंबे ढेर लगे हुए हैं। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि सड़कों पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे आए दिन वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। सड़कों पर फैले कचरे के कारण पूरे इलाके में दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे स्थानीय लोगों में गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है।

बिजली विभाग की भी बड़ी लापरवाही

क्षेत्र में केवल साफ-सफाई ही नहीं, बल्कि बिजली विभाग की लापरवाही भी चरम पर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में बिजली के पोल टूटे हुए हैं और कई जगहों पर खुले हुए बिजली के बॉक्स (डब्बे) लटके हैं, जिनमें नंगे तार दौड़ रहे हैं । यह खुली लापरवाही किसी भी वक्त बड़े हादसे को न्यौता दे सकती है, लेकिन शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

"पार्षद सुनते नहीं, विधायक तक पहुंच नहीं"

रॉयल पत्रिका से बातचीत के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि उन्होंने कई बार क्षेत्रीय पार्षद से सफाई और व्यवस्थाएं सुधारने की गुहार लगाई, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलते हैं, धरातल पर कोई काम नहीं होता। कचरा उठाने वाली गाड़ियां भी समय पर नहीं आती हैं।

जब लोगों से विधायक से शिकायत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "विधायक तक जाने का हमें मौका नहीं मिलता और न ही हमें पता है कि वहां तक कैसे पहुंचना है। हमारे लिए पार्षद ही एकमात्र जरिया हैं, लेकिन वे भी हमारी सुध नहीं ले रहे हैं।

कभी साफ रहने वाला इलाका अब बदहाली का शिकार

बुजुर्गों और स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि उद्योग नगर झोटवाड़ा का बेहद व्यस्त मार्ग है और पहले यहां काफी साफ-सफाई रहा करती थी। लेकिन

वर्तमान में नगर निगम की उदासीनता के कारण यह पूरा इलाका डंपिंग यार्ड में तब्दील हो चुका है। जनता का साफ कहना है कि यह नगर निगम और सरकार की विफलता का जीता-जागता उदाहरण है, जहां नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय में करोड़ों का बजट ठिकाने लगा

- रॉयल पत्रिका के ग्राउंड रियलिटी चेक में खुला चौंकाने वाला राज -करोड़ों खर्च पर धरातल पर सिर्फ सन्नाटा

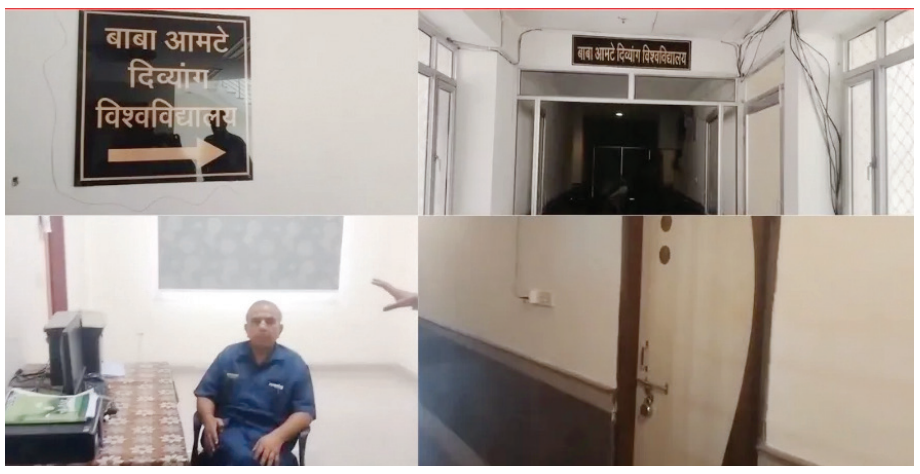

जयपुर। रॉयल पत्रिका की टीम ने बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय की जमीनी हकीकत जानने के लिए एक बड़ा ग्राउंड रियलिटी चेक किया है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बिल्डिंग में अस्थाई रूप से संचालित इस विश्वविद्यालय की सच्चाई बेहद चौंकाने वाली है। सरकारी कागजों में इस यूनिवर्सिटी के नाम पर अब तक रु. 3 करोड़ 27 लाख का भारी-भरकम बजट खर्च किया जा चुका है, लेकिन धरातल पर स्थिति बेहद निंदनीय है। पूरे परिसर में न तो कोई दिव्यांग छात्र नजर आया और न ही कोई नियमित कक्षाएं चलती हुई दिखीं। करोड़ों रुपए का बजट पानी की तरह बहाने के बाद भी धरातल पर काम पूरी तरह से शून्य दिखाई दे रहा है।

आठ कमरों की यूनिवर्सिटी में लटके ताले

रॉयल पत्रिका के रिपोर्टर जावेद अख्तर ने मौके पर जाकर उन आठ कमरों का मुआयना किया, जहां यह पूरा विश्वविद्यालय कागजों में सिमटा हुआ है। इन कमरों की हालत देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा।

कमरों के अंदर न तो पढ़ने के लिए टेबल-कुर्सी की व्यवस्था है और न ही बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं। अधिकतर कमरों के दरवाजों पर बड़े-बड़े ताले लटके हुए मिले। कुछ कमरों को जब सुरक्षा गार्ड की मदद से खुलवाया गया, तो वहां केवल प्रशासनिक अधिकारी और कुछ कर्मचारी कुर्सियों पर बैठे नजर आए। छात्रों के नाम पर पूरा परिसर खाली पड़ा है और चारों तरफ सिर्फ सन्नाटा पसरा हुआ है।

बिना छात्रों के ही बांट दिया भारी वेतन

यूनिवर्सिटी के पिछले 3 साल के खर्चों का जो ब्यौरा सामने आया है, वह सीधे तौर पर जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी को दर्शाता है। जब परिसर में एक भी दिव्यांग छात्र मौजूद नहीं है और न ही कोई शिक्षक पढ़ाने आता है, तब भी रु.2 करोड़ 50 लाख (ढाई करोड़ रुपए) केवल वेतन के नाम पर बांट दिए गए। सवाल यह उठता है कि जब धरातल पर पढ़ाई ही नहीं हो रही, तो आखिर यह मोटी सैलरी किन लोगों की जेब में जा रही है? शिक्षा के नाम पर आवंटित इस भारी-भरकम बजट का उपयोग सिर्फ अधिकारियों और कर्मचारियों को पालने के लिए किया जा रहा है।

बिना स्टूडेंट्स गाड़ियों और दौरों पर उड़ाए पैसे

भ्रष्टाचार और लापरवाही की कहानी यहीं खत्म नहीं होती। रॉयल पत्रिका के खुलासे के मुताबिक, बिना किसी छात्र के वाहनों और दौरों पर लाखों रुपए उड़ा दिए गए। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार रु.19,79 लाख केवल वाहनों पर खर्च दिखाए गए हैं। जब छात्र ही नहीं हैं, तो ये गाड़ियां किसके लिए चलाई जा रही हैं? इसके अलावा रु.7.5 लाख आवास व्यवस्था पर और रु.13,343 यात्राओं और दौरों पर फूंक दिए गए। रु.50 लाख से अधिक की राशि अन्य फुटकर खर्चों में दिखा दी गई है, जो सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करती है।

जामडोली का मुख्य कैंपस तीन साल बाद अधूरा

दिव्यांग बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए जामडोली में इस विश्वविद्यालय का मुख्य स्थाई कैंपस बनना तय हुआ था। इस पूरी योजना को शुरू हुए 3 साल का लंबा वक्त बीत चुका है, लेकिन जामडोली कैंपस का काम आज तक अधूरा पड़ा है और वहां पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी है। सरकारें और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर बड़े-बड़े मंचों से दिव्यांग कल्याण और नए शैक्षणिक विजन की बातें करते हैं, लेकिन 3 साल का यह लंबा 'प्रोसेस' केवल फाइलों में ही रेंग रहा है। जमीनी हकीकत यह है कि दिव्यांग बच्चों के हक का पैसा अधिकारियों और प्रशासनिक लूपहोल्स की भेंट चढ़ चुका है।

मेरा तो रिटायरमेंट है अगले से सवाल पूछना

इस महाघोटाले और अव्यवस्था को लेकर जब 'रॉयल पत्रिका' ने विश्वविद्यालय के कुलपति (Vice Chancellor) डॉ. देव स्वरूप से सीधे सवाल पूछे और तीखी बातचीत की, तो उनका एक बेहद गैर-जिम्मेदार और चौंकाने वाला बयान सामने आया। वाइस चांसलर डॉ. देव स्वरूप ने अपनी जवाबदेही से पूरी तरह पल्ला झाड़ते हुए रॉयल पत्रिका से कहा, "मेरा तो अब रिटायरमेंट हो रहा है, अब तो जो मेरे बाद इस पद पर आए उससे यह सवाल पूछना।" करोड़ों रुपए के बजट और दिव्यांग बच्चों के भविष्य से जुड़े गंभीर सवालों पर वर्तमान कुलपति का ऐसा जवाब सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है।

क्या दिव्यांग बच्चों को शिक्षा का हक नहीं

रॉयल पत्रिका के इस बड़े खुलासे ने सीधे तौर पर राज्य के एजुकेशन सिस्टम और सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुलपति के इस बयान से साफ है कि संस्था का शीर्ष नेतृत्व अब कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है और सारा ठीकरा आने वाले नए अधिकारी पर फोड़ा जा रहा है। आखिर जनता के टैक्स की गाढ़ी कमाई को इस तरह लुटाने का जिम्मेदार कौन है? क्या दिव्यांग बच्चों को उनके हक की शिक्षा और सुविधाएं कभी मिल पाएंगी? रॉयल पत्रिका इस पूरे मामले और करोड़ों रुपए के इस घालमेल पर लगातार पैनी नजर बनाए रखेगी।

इन्द्र कुमार बासनवाल कौली पंचायत विकास समिति के अध्यक्ष चुने गए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री ग्यारह बास कौली पंचायत विकास समिति जयपुर (राज) के सम्पन्न हुए चुनाव में इन्द्र कुमार बासनवाल अध्यक्ष चुने गए हैं। श्री ग्यारह बास कोली पंचायत विकास समिति जयपुर के चुनाव की प्रक्रिया चुनाव अधिकारी नन्द किशोर एवं सहायक चुनाव अधिकारी द्वारा पूरी की गई। नन्द किशोर पिछली बार चुनावों में भी चुनाव अधिकारी थे। नव निर्वाचित अध्यक्ष इन्द्र कुमार बासनवाल ने विजयी होने पर कौली समाज बंधुओं को, वरिष्ठ जनों को, महिला शक्ति व युवा शक्ति को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया। जयपुर के रामगंज में कौली समाज 270 वर्षों से निवास कर रहा है। पूर्वजों के समय से ही कौली समाज की पंचायतें बनी हुई हैं, जिनका रजिस्ट्रेशन बाद में कराया गया।

झोटवाड़ा में अमन कमेटी ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

- डोटासरा और रफीक खान ने युवाओं को दिया शिक्षा और मेहनत का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी की ओर से झोटवाड़ा क्षेत्र में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बेहद उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक सत्र 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं की हौसला अफजाई करना था। समारोह में मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया जिन्होंने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही वर्ष 2023-24 की आरएएस (RAS) और आईएएस (IAS) परीक्षाओं में सफलता का परचम लहराकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली स्थानीय प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

डोटासरा और रफीक खान ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, यूनुस खान और विधायक रफीक खान सहित कई वरिष्ठ राजनेता मौजूद रहे। पंडाल में नेताओं के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। मंच पर मौजूद सभी अतिथियों का कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा पारंपरिक तरीके से साफा पहनाकर और फूलों की बड़ी माला पहनाकर गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान पंडाल में मौजूद लोगों और युवाओं के बीच एक अलग ही जोश और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

शिक्षा और कड़ी मेहनत ही युवाओं की असली ताकत

मंच से जनता और युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने शिक्षा और कड़ी मेहनत को जीवन की सबसे बड़ी ताकत बताया। नेताओं ने कहा कि जब किसी होनहार छात्र को समाज के बीच और इतने बड़े मंच पर सम्मान मिलता है, तो उसके भीतर एक नया आत्मविश्वास पैदा होता है। ऐसे सम्मान समारोह लगातार आयोजित होने चाहिए ताकि मेहनत करने वाले बच्चों का हौसला बढ़े और उन्हें देखकर समाज के दूसरे बच्चे भी प्रेरित हों। अतिथियों ने उपस्थित सभी युवाओं से अपील की कि वे मोबाइल और अन्य भटकाव से दूर रहकर केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें और आगे चलकर अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम देश भर में रोशन करें।

अमन कमेटी पिछले बीस वर्षों से कर रही कार्य

समारोह के दौरान संस्था के सदर आसिम खान और पदाधिकारी अलाउद्दीन खान ने बताया कि ख्वाजा गरीब नवाज अमन कमेटी पिछले 20 वर्षों से लगातार क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस कमेटी में कुल 35 समर्पित सदस्य हैं और हर दो साल में लोकतांत्रिक तरीके से संस्था के चुनाव संपन्न कराए जाते हैं। कमेटी का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि वे पढ़ाई-लिखाई करके भविष्य में बड़े डॉक्टर, इंजीनियर, आरएएस और आईएएस अधिकारी बन सकें। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में नया मुकाम हासिल करने वाली और सरकारी व मेडिकल कॉलेजों में चयनित होने वाली छात्राओं को भी विशेष रूप से सम्मानित कर समाज में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

सर्वसमाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है अमन कमेटी

कमेटी के सेक्रेटरी हाजी गुलाम रसूल मंसूरी ने संस्था के कार्यों और चयन के मापदंड पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार सम्मान समारोह के लिए 10वीं और 12वीं कक्षा में 85% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने का कड़ा क्राइटेरिया (मापदंड) तय किया गया था, ताकि बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा हो।

इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अमन कमेटी किसी एक विशेष समुदाय या वर्ग के लिए काम नहीं करती, बल्कि यह सर्वसमाज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा को बढ़ावा देने के अलावा यह संस्था सामाजिक सरोकार के तहत सर्दियों में जरूरतमंदों को कंबल बांटने, मकर संक्रांति पर सेवा कार्य करने और गर्मियों में मूक पशु-पक्षियों के लिए पानी के परिंडे बांधने जैसे परोपकारी कार्य भी पूरी निष्ठा से करती आ रही है।

सिमरा फातिमा ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ रचा इतिहास

-अपनी मेहनत से हासिल किए कई मेडल्स

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) की 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद जयपुर में खुशी का माहौल है। इस साल भी बोर्ड परीक्षाओं में बेटियों का दबदबा देखने को मिला है। इसी कड़ी में जयपुर के 'द पैलेस स्कूल, जलेब चौक' की होनहार छात्रा सिमरा फातिमा ने अपनी कड़ी मेहनत और लगान से 94.8 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सिमरा ने अपनी इस सफलता से साबित कर दिया है कि अगर हौसला बुलंद हो तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

ऑल-राउंडर हैं सिमरा, मेहनत से जीते कई मेडल्स:

सिमरा फातिमा पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी हमेशा आगे रही हैं। उनकी माता इमराना शकील ने बताया कि सिमरा बचपन से ही बहुमुखी प्रतिभा (All-rounder) की धनी हैं। स्कूल के दिनों से ही उन्होंने डिबेट, स्विमिंग, स्केटिंग और आर्ट एंड क्राफ्ट जैसे कई कॉम्पिटिशंस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। सिमरा ने अपनी कड़क मेहनत और लगन के दम पर अब तक 50 से 60 मेडल और सर्टिफिकेट्स अपने नाम किए हैं। सिमरा का मानना है कि हर लड़की को शिक्षित होकर आत्मनिर्भर (Financially Independent) बनना चाहिए।

दुख की घड़ी में भी नहीं खोई हिम्मत:

सिमरा की इस सफलता के पीछे उनकी अटूट मानसिक दृढ़ता भी शामिल है। उनकी माता ने एक भावुक पल साझा करते हुए बताया कि जब सिमरा का अकाउंट्स का पेपर था, ठीक उसी दिन उनके बड़े पापा का इंतकाल हो गया था। घर में बेहद गमगीन और अजीब माहौल था, लेकिन इसके बावजूद सिमरा ने हिम्मत नहीं हारी। वह परीक्षा देने गईं और अपनी पुरानी मेहनत के बदौलत अकाउंट्स में 100 में से 97 नंबर हासिल किए, जो उनकी काबिलियत को दर्शाता है। इससे पहले सिमरा ने 10th बोर्ड में भी 93.4 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

आगे का विजन: बनना चाहती हैं इंटरनेशनल सीए:

अपनी पढ़ाई की रणनीति पर बात करते हुए सिमरा ने बताया कि वह किसी पारिवारिक दबाव के बिना रोजाना 4 से 5 घंटे एकाग्रता के साथ पढ़ती थीं। अब 12वीं के बाद वह बी.कॉम के साथ ACCA (इंटरनेशनल लेवल सीए) की पढ़ाई कर रही हैं, ताकि ग्लोबल लेवल पर अपना करियर बना सकें। सिमरा की यह शानदार सफलता आज समाज की उन सभी बेटियों और परिवारों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है जो मेहनत और हौसले के दम पर आसमान छूना चाहती हैं।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) **(रणनीति)**

91. भारत में गवर्नर जनरल की पदवी सबसे पहले किसे मिली?
(A) वॉरेन हेस्टिंग्स
(B) लॉर्ड विलियम बैंटिक
(C) लॉर्ड कार्नवालिस
(D) लॉर्ड वेल्सली
उत्तर: (A)
व्याख्या: वॉरेन हेस्टिंग्स भारत के पहले गवर्नर जनरल थे (1773–1785 ई.)।

92. स्थायी बंदोबस्त किसके द्वारा लागू किया गया?
(A) लॉर्ड वेल्सली
(B) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(C) लॉर्ड कॉर्नवालिस
(D) लॉर्ड कर्जन
उत्तर: (C)
व्याख्या: लॉर्ड कॉर्नवालिस ने 1793 ई. में बंगाल में 'स्थायी बंदोबस्त' लागू किया।

93. 'सती प्रथा' को किसने समाप्त किया?
(A) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(B) लॉर्ड विलियम बैंटिक
(C) लॉर्ड डलहौजी
(D) लॉर्ड लिटन
उत्तर: (B)
व्याख्या: लॉर्ड विलियम बैंटिक ने 1829 ई. में सती प्रथा को समाप्त किया, राजा राममोहन राय के प्रयासों से।

94. 'राजा राममोहन राय' ने किस संस्था की स्थापना की थी?
(A) आर्य समाज (B) ब्रह्म समाज
(C) प्रार्थना समाज
(D) थियोसोफिकल सोसाइटी
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1828 ई. में राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की थी।

95. 'आर्य समाज' की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1828 ई. (B) 1869 ई.
(C) 1875 ई. (D) 1885 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई. में आर्य समाज की स्थापना की थी।

96. 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1885 ई. (B) 1889 ई.
(C) 1890 ई. (D) 1905 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1885 ई. में ए.ओ. ह्यूम के प्रयासों से कांग्रेस की स्थापना हुई, और पहला अधिवेशन बंबई में हुआ।

97. कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(A) दादाभाई नौरोजी
(B) डब्ल्यू. सी. बनर्जी
(C) बंकिम चंद्र (D) गोखले
उत्तर: (B)
व्याख्या: डब्ल्यू. सी. बनर्जी कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष थे (1885, बंबई)।

98. 'दादाभाई नौरोजी' ने किस सिद्धांत को प्रतिपादित किया था?
(A) द्रव सिद्धांत
(B) आर्थिक निकासी सिद्धांत
(C) सामाजिक सुधार सिद्धांत
(D) आत्मनिर्भरता सिद्धांत
उत्तर: (B)
व्याख्या: दादाभाई नौरोजी ने 'ड्रेन ऑफ वेल्थ थ्योरी' (आर्थिक निकासी सिद्धांत) प्रस्तुत किया।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

जॉब्स खबर

इंडियन एयरफोर्स में 47 पदों पर भर्ती

इंडियन एयर फोर्स ने ग्रुप सी सिविलियन के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianairforce.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
02 मई से 31 मई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
लोअर डिवीजन क्लर्क : 12वीं के साथ टाइपिंग
हिंदी टाइपिस्ट : 12वीं के साथ टाइपिंग
ड्राइवर : 10वीं पास, हैवी मोटर व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस, 2 साल तक का अनुभव

एज लिमिट :
न्यूतम : 18 साल
अधिकतम : 25 साल

सैलरी :
लेवल - 2 के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
इंडियन एयरफोर्स की ऑफिशियल वेबसाइट indianairforce.nic.in पर जाएं।

SBI में 100 पदों पर निकली भर्ती

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.sbi.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 2 जून तय की गई है। यह भर्ती रेग्यूलर बेसिस पर की जाएगी।

आवेदन शुरू :
13 मई से 02 जून 2026 तक

सैलरी :
64,820 - 93,960 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 23 साल
अधिकतम : 32 साल

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.sbi.bank.in पर जाएं।

राजस्थान में 3,540 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग ने टीचिंग एसोसिएट्स (Raj-CES) 2026 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के जरिए 3,540 पद भरे जाएंगे। 5 मई को अप्लाई लिंक एक्टिव होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्चुअसल बेसिस पर की जाएगी।

आवेदन शुरू :
05 मई से 03 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
NET/SLET/पीएचडी की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी : 600 रुपए
ओबीसी (NCL), ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी : 400 रुपए
पीडब्ल्यूडी : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर

सैलरी :
28,850 रुपए प्रतिमाह
मिनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स :
जनरल कैटेगरी : हर पेपर के लिए 36%
एससी, एसटी : हर पेपर में 5% का रिलैक्सेशन दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
एसएसओ पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाएं।

हेल्थ अपडेट्स

नौतपा की भीषण गर्मी में रखें सेहत का खास ख्याल

नई दिल्ली। मई और जून का महीना आते ही भीषण गर्मी और लू का खतरा बढ़ जाता है। इस बार चक्रवात और बारिश के कारण कई इलाकों में तापमान सामान्य रहा, लेकिन अब लोगों को नौतपा का डर सताने लगा है। इस वर्ष नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक रहेगा। ज्योतिष मान्यता के अनुसार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तब नौतपा शुरू होता है। इन नौ दिनों में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण तापमान काफी बढ़ जाता है। नौतपा के दौरान शरीर पर गर्मी का सीधा असर पड़ता है। लगातार पसीना आने से शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती है, जिससे कमजोरी, चक्कर, थकान और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार हीट स्ट्रोक के कारण व्यक्ति बेहोश भी हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024 में हीट स्ट्रोक से सैकड़ों लोगों की मौत दर्ज की गई थी। डॉक्टरों के मुताबिक छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और पहले से बीमार लोग नौतपा में सबसे ज्यादा जोखिम में रहते हैं। दिल के मरीजों को तेज गर्मी में हार्ट पर अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। अस्थमा और सांस संबंधी बीमारी से पीड़ित लोगों को गर्म और शुष्क हवा परेशानी बढ़ा सकती है। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी इस दौरान विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। गर्मी शरीर में ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को असंतुलित कर सकती है। वहीं अधिक वजन वाले लोगों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक रहता है। मानसिक तनाव, एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं भी तेज गर्मी में बढ़ सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नौतपा के दौरान ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, हल्का और पौष्टिक भोजन करें तथा दोपहर में धूप में निकलने से बचें। बाहर जाते समय सिर को ढकें और शरीर को ठंडा रखने वाली चीजों का सेवन करें। थोड़ी सावधानी और सही खानपान से नौतपा की भीषण गर्मी से बचा जा सकता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

कॉकरोच जनता पार्टी किसके लिए खतरा ?

कॉकरोच जनता पार्टी भारत देश में चर्चित राजनीतिक पार्टी हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना मात्र 15 दिन पहले अभिजीत दीपके ने की थी। 15 दिन में कॉकरोच जनता पार्टी के वेबसाइट पर करीब 10 लाख से ज्यादा सदस्य हैं और इंस्टाग्राम पर 2.2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। भारतीय जनता पार्टी के सोशल मीडिया पर देश में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। भारत के चीफ जस्टिस के बेरोजगारों को कॉकरोच कहने पर देश के युवा बेरोजगारों ने देश की सरकारी एवं राजनीतिक व्यवस्था का विरोध शुरू कर दिया। भारतीय युवाओं में व्यवस्था के प्रति आक्रोश को देखते हुए अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक राजनीतिक पार्टी ही बना दी। जिसका नाम रखा कॉकरोच जनता पार्टी। देखते-देखते कॉकरोच जनता पार्टी, जो देश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी एवं तानाशाही के विरोध कर रही है, लोकप्रिय होने लगी है। आज कॉकरोच जनता पार्टी के पास करोड़ों फॉलोअर्स और लाखों सदस्य हैं। कॉकरोच जनता पार्टी को छोटी-सी अवधि में बड़ी लोकप्रियता से सरकार और सरकार में बैठे राजनीतिज्ञों की नींद उड़ गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भारत सरकार पर वेबसाइट और x अकाउंट बंद करने का आरोप लगाया है। अब सोचने वाली बात यह है कि इतने कम समय में देश के युवाओं ने बड़ी संख्या में देश की व्यवस्था के खिलाफ एकजुट होकर विरोध जताया। यह सरकार के प्रति युवाओं और लोगों में आक्रोश का संकेत है। देश की सरकारें और देश की वर्तमान सरकार युवाओं के इस कॉकरोच आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का प्रयास करती है तो सरकार के प्रति युवाओं में आक्रोश और तेजी से बढ़ने की संभावना है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार 10 - 12 वर्ष से रोजगार, शिक्षा, रिसर्च जैसे मुद्दों को छोड़कर सिर्फ हिंदू-मुस्लिम को बांटने का काम कर रही है, जबकि सरकार को महंगाई कम करने, युवाओं को रोजगार देने और विकास के मुद्दों पर फोकस करना चाहिए। देश की वर्तमान में आर्थिक स्थिति काफी खराब है। लेकिन सरकार अभी भी देश हित में निर्णय नहीं ले रही है। देश का पढ़ा-लिखा युवा और बुद्धिजीवी लोग सब नजर रखे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी एक राजनीतिक दल नहीं है। यह तो सरकार में फैले भ्रष्टाचार, कन्डम व्यवस्था, नाकाम ब्यूरो-क्रेसी एवं अयोग्य नेताओं के खिलाफ एक मूवमेंट है। कॉकरोच मूवमेंट केवल वर्तमान सरकार के लिए ही खतरा पैदा नहीं करता है बल्कि विपक्षी दलों के लिए भी खतरा पैदा करता है जो सत्ता में आकर अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह नहीं निभाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि देश का युवा सरकारी व्यवस्था से नाराज है। यदि सरकार में बैठे जिम्मेदारों में सुधार नहीं किया तो यहां नेपाल और बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि नेताओं को देशहित के लिए काम करना चाहिए और अपने स्वार्थो को छोड़ देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो एक दिन देश के युवा इनको देश की व्यवस्था में से उठाकर फैंक देंगें।

फातिमा बीबी - प्रथम भारतीय मुस्लिम महिला सीजेआई

(जन्म: 30 अप्रैल 1927 - 23 नवंबर 2023)

एम. फातिमा बीवी (30 अप्रैल 1927 – 23 नवंबर 2023) भारत की एक न्यायाधीश थीं, जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश थीं । 1989 में सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त होकर, वे भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश बनीं और देश के किसी भी उच्च न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली मुस्लिम महिला भी थीं। न्यायालय से सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सदस्य के रूप में और बाद में 1997 से 2001 तक तमिलनाडु राज्य की राज्यपाल के रूप में कार्य किया । 2023 में, उन्हें केरल सरकार द्वारा दिए जाने वाले दूसरे सर्वोच्च सम्मान, केरल प्रभा पुरस्कार से सम्मानित किया गया । 2024 की सम्मान सूची में, उन्हें मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया ।

एम. फातिमा बीवी का जन्म 30 अप्रैल 1927 को त्रावणकोर साम्राज्य के पथानामथिट्टा में हुआ था, जो अब भारतीय राज्य केरल में है, रोथर परिवार में अन्नावेटिल मीर साहिब और खदीजा बीवी की बेटी के रूप में ।

बीवी ने टाउन स्कूल और कैथोलिकेट हाई स्कूल, पथानामथिट्टा में पढ़ाई की और तिरुवनंतपुरम के महिला कॉलेज से रसायन विज्ञान में बीएससी की उपाधि प्राप्त की । उन्होंने तिरुवनंतपुरम के सरकारी विधि महाविद्यालय से एलएलबी की उपाधि प्राप्त की ।

बीवी 14 नवंबर 1950 को अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुईं। उन्होंने 1950 में बार काउंसिल परीक्षा में टॉप किया। उन्होंने केरल में निचली न्यायपालिका में अपना करियर शुरू किया। उन्हें मई 1958 में केरल अधीनस्थ न्यायिक सेवाओं में मुंसिफ नियुक्त किया गया। उन्हें 1968 में अधीनस्थ न्यायाधीश और 1972 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तथा 1974 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया।

जनवरी 1980 में, बीवी को आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण का न्यायिक सदस्य नियुक्त किया गया। फिर उन्हें 4 अगस्त 1983 को उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया।

बीवी 14 मई 1984 को उच्च न्यायालय की स्थायी न्यायाधीश बनीं। उन्होंने 29 अप्रैल 1989 को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुईं, लेकिन 6 अक्टूबर 1989 को उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया, जहाँ से वे 29 अप्रैल 1992 को सेवानिवृत्त हुईं।

बीवी बाद में 25 जनवरी 1997 को तमिलनाडु की राज्यपाल बनीं। उन्हें तमिलनाडु का राज्यपाल और जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुखदेव सिंह कांग को केरल का राज्यपाल नियुक्त करते हुए, तत्कालीन भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने कहा, "संविधान और कानूनों के

कामकाज में उनका अनुभव और अंतर्दृष्टि बहुमूल्य संपत्ति है।"

राज्य की राज्यपाल के रूप में, उन्होंने राजीव गांधी हत्याकांड में दोषी ठहराए गए चार कैदियों द्वारा दायर दया याचिकाओं को खारिज कर दिया। कैदियों ने राज्यपाल को दया याचिकाएँ भेजी थीं, जिसमें उन्होंने उनसे संविधान के अनुच्छेद 161 (राज्यपाल की क्षमादान देने की शक्ति) के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करने की विनती की थी।

तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बीवी विवादों में घिर गईं, जिससे केंद्र सरकार नाराज हो गई । कानून मंत्री अरुण जेटली ने उनसे इस्तीफा मांगा। बाद में उन्होंने चुनाव के बाद जयललिता के विधानसभा बहुमत को स्वीकार करने और करुणानिधि की गिरफ्तारी के कारण राज्य के राज्यपाल पद से विवादास्पद परिस्थितियों में इस्तीफा दे दिया। करुणानिधि ने चार साल पहले बीवी की नियुक्ति की वकालत की थी। जयललिता ने राज्य के राज्यपाल द्वारा उन्हें सरकार में शामिल करने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, "वह सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश हैं। वह स्वयं एक कानूनी विशेषज्ञ हैं। उन्हें कानून या संविधान के बारे में किसी को सिखाने की जरूरत नहीं है। उनका निर्णय न्यायोचित नहीं है।"

मई 2001 में हुए चुनावों के बाद जयललिता की पार्टी को साधारण बहुमत (तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में से 131 सीटें) प्राप्त हुई थी। तमिलनाडु की तत्कालीन राज्यपाल फातिमा बीवी ने 14 मई 2001 को जयललिता को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ दिलाई। इस तथ्य के बावजूद कि जयललिता चुनाव नहीं लड़ सकीं और संविधान के अनुसार छह महीने के भीतर विधानसभा के लिए जनता द्वारा निर्वाचित नहीं हो सकती थीं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति की वैधता पर सवाल उठाते हुए सर्वोच्च न्यायालय में कुछ जनहित याचिकाएँ (PIL) दायर की गईं। फातिमा बीबी ने अपने निर्णय को यह कहकर उचित ठहराया कि राज्य विधानसभा में बहुमत वाली पार्टी ने जयललिता को अपना नेता चुना था। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राज्यपाल को उनके संवैधानिक दायित्व का निर्वहन न कर पाने के कारण वापस बुलाने की सिफारिश करने के निर्णय के बाद फातिमा बीवी ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। केंद्र सरकार फातिमा बीवी से इस बात पर नाराज़ थी कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि और दो केंद्रीय मंत्रियों, मुरासोली मारन और टीआर बालू की गिरफ्तारी के बाद की घटनाओं का स्वतंत्र और निष्पक्ष मूल्यांकन प्रस्तुत नहीं किया था। केंद्र ने उन पर आधिकारिक रुख का अक्षरशः पालन करने का आरोप लगाया था। उनके इस्तीफे के बाद तत्कालीन आंध्र प्रदेश के राज्यपाल डॉ. सी. रंगराजन ने तमिलनाडु के कार्यवाहक राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला।

इसके बाद, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जयललिता को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने के उनके फैसले को रद्द कर दिया। इस मामले का हवाला देते हुए, न्यायालय की पीठ ने फैसला सुनाया कि "राज्यपाल अपने विवेक का प्रयोग करते हुए या अन्यथा, ऐसा कुछ भी नहीं कर सकता जो संविधान और कानूनों के विपरीत हो। इसलिए, राज्यपाल, संविधान और कानूनों का उचित ध्यान रखते हुए, किसी ऐसे गैर-सदस्य को मुख्यमंत्री नियुक्त करने के विवेक का प्रयोग करने से इनकार कर देगा जो विधानमंडल का सदस्य बनने के योग्य नहीं था।"

राज्य की राज्यपाल के रूप में उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के रूप में भी कार्य किया था। विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, कुलपति पी.टी. मनोहरन ने अपने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया था, क्योंकि कुलाधिपति ने कथित तौर पर समकालीन तमिल साहित्य के लिए एक नया विभाग स्थापित करने के सिंडिकेट के निर्णय को अपनी स्वीकृति नहीं दी थी। उन्होंने केरल पिछड़ा वर्ग आयोग (1993) की अध्यक्ष और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (1993) की सदस्य के रूप में भी कार्य किया था। उन्हें 1990 में मानद डी. लिट. और महिला शिरोमणि पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्हें भारत ज्योति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था । वाम दलों ने भारत के राष्ट्रपति के रूप में फातिमा बीवी के नामांकन की संभावनाओं पर भी चर्चा की, जिसके दौरान एनडीए सरकार ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का नाम प्रस्तावित किया।

फातिमा बीवी का 96 वर्ष की आयु में 23 नवंबर 2023 को निधन हो गया।

कुर्बानी इंसानियत की सेवा का प्रतीक, कुर्बानी का असल मकसद जरुरतमंदों की मदद करना और दिलों को जोड़ना

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। ईद-उल-अज़हा, जिसे हम बकरीद के नाम से भी जानते हैं, इस्लामी परंपरा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण त्यौहार है । जो त्याग, सेवा और समर्पण की भावना का प्रतीक है। यह वह अवसर है जो हज़रत इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की उस ऐतिहासिक कुर्बानी की याद ताज़ा करता हैं, जिसमें उन्होंने अल्लाह के हुक्म पर अपने सबसे लाडले पुत्र की कुर्बानी देने का इरादा किया। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या आज हम कुर्बानी की वास्तविक भावना को समझते हैं या फिर यह त्यौहार अब केवल दिखावे और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनकर रह गया है।

दिखावे की होड़ में कुर्बानी की भावना गुम:-

बदलते इस दौर में अधिकतर लोग कुर्बानी को एक धार्मिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक स्टेटस के प्रतीक के रूप में देखने लगे हैं। महंगे और बड़े जानवरों की खरीद को प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। सोशल मीडिया पर जानवरों की तस्वीरें और वीडियो शेयर करना, उन्हें सजाकर बाजार में घुमाना ये सब कुर्बानी की असल आत्मा से दूर ले जा रहे हैं। जब कुर्बानी का वास्तविक उद्देश्य त्याग और सेवा है, तब यह केवल अपनी शान दिखाने का जरिया क्यों बनता जा रहा है।

समाज में एकता और भाईचारे की भावना को ठेस:-

इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार कुर्बानी के जानवर का मांस तीन बराबर हिस्सों में बांटना अनिवार्य है । एक हिस्सा स्वयं के लिए, एक रिश्तेदारों व पड़ोसियों के लिए और एक हिस्सा गरीब व जरूरतमंदों के लिए। दुर्भाग्यवश, कई लोग इस नियम की अनदेखी करते हैं। कुर्बानी के जानवर का सारा मांस फ्रीज़ में जमा कर लेते हैं और महीनों तक खाते हैं। यह न केवल धार्मिक निर्देशों की अवहेलना है, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे की भावना को भी ठेस पहुँचाता है।

गरीबों और जरूरतमंदों की उपेक्षा क्यों:-

ईद-उल-अजहा का त्यौहार न केवल खुशी मनाने का समय है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर भी है। विशेष रूप से संपन्न वर्ग के लोगों को चाहिए कि वे अपने आस-पड़ोस के जरूरतमंदों और गरीबों का विशेष ध्यान रखें। कुर्बानी का तीसरा हिस्सा ऐसे लोगों तक पहुँचना चाहिए जिनके पास त्यौहार मनाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।

सिर्फ जानवर नहीं, अपने नफ़्स की भी कुर्बानी करें:-

ईद-उल-अजहा का असली मकसद केवल जानवर की कुर्बानी करना नहीं है, बल्कि अपने अंदर के घमंड, दिखावा, स्वार्थ और असंवेदनशीलता की भी कुर्बानी देना है। त्यौहार की असल रूह तभी जीवित रह सकती है जब हम इस अवसर को आत्ममंथन और सामाजिक सेवा के रूप में अपनाएं। आगामी 28 मई, 2026को जब हम ईद-उल-अजहा का त्यौहार मनाएं, तो यह संकल्प लें कि यह त्यौहार केवल रीति-रिवाज नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में कुर्बानी, सहयोग और भाईचारे की मिसाल बने। दिखावे से दूर रहकर, जरूरतमंदों की मदद कर हम इस पर्व की पवित्रता को कायम रख सकते हैं। कुर्बानी केवल जानवर की नहीं, इंसानियत की सेवा का प्रतीक भी होनी चाहिए

-शादाब अली

इस्लाम के दिशा निर्देशों का वर्तमान तकनीकी दौर में सकारात्मक उपयोग

विज्ञान एवं तकनीक के महत्व को आज कोई नकार नहीं सकता है। दुनिया के अधिकांश लोग चाहे वह शिक्षित हो अथवा अशिक्षित किसी ना किसी रूप में तकनीक का उपयोग करते हैं । किंतु सवाल यह उठता है कि विज्ञान और तकनीक के आधुनिक नज़रिए को पुराने मजहबी नजरिए के साथ कैसे जोड़ सकते हैं । इस्लाम में पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब के सामने जो पहला हुरूफ़ आया वह था इकरा यानी पढ़ो, तालीम जो इस मजहब के आधार स्वरुप इनके महत्व को बताती है। इसलिए हम देख रहे हैं कि इस्लामिक मुल्क विज्ञान और तकनीक के माध्यम से किस कदर बदल रहे हैं। इस्लाम को हमेशा ही मानवता के समक्ष प्रस्तुत एक परिपूर्ण जीवन यापन के रूप में माना जाता रहा है, इसमें रूहानी, आर्थिक, सामाजिक, न्याय और सियासी विषय सहित जिंदगी के प्रत्येक क्षेत्र के लिए नियम और दिशानिर्देश शामिल है, इसलिए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस्लाम में मानव जाति के कार्यों को काबू करने तथा ठीक-ठाक जीवन जीने की पूरी व्यवस्था मौजूद है। एक मजहब के रूप में इस्लाम में हमेशा से ही अपने पैरोंकारी को मजहबी इल्म का खोजी बनने तथा दुनियावीं तहजीब मानने के लिए प्रोत्साहित किया है मजहबी इल्म एवं दुनिया वीं इल्म के बीच कभी कोई भेद नहीं रहा है, क्योंकि इन दोनों ही प्रकार के इल्म को प्राप्त करना अल्लाह को खुश करने के बराबर है।

तकनीक के वास्तविक उपयोग के संदर्भ में पूरे मुल्क के बहुत से मुसलमान अपनी मजहबी जरूरतों को पूरा करने के लिए आजकल स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए लोग अपने आसपास स्थित मस्जिदों एवं इस्लामिक केंद्रों का पता लगाने के लिए जीपीएस ट्रैकिंग और लोकेशन आधारित एप्लीकेशन का उपयोग करते हैं। ऐसी बहुत सी वेबसाइट है जो कुरान और उसके प्रयोगों के बारे में पूर्ण दिशा निर्देश प्रदान करती है। डिजिटल क्रांति के कारण आज युवा पीढ़ी मुखर हुई है अब वह फतवा पर प्रश्न पूछ सकते हैं और विचार-विमर्श कर सकते हैं तथा अपना मत भी रख सकते हैं। हमारा फर्ज है कि हम तकनीक का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करें और सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाली गलत खबरों से जागरूक रहें।

इस्लाम में अदब और एहतराम की अहमियत

हम जिस समाज में रहते हैं, वहाँ इंसानी रिश्तों की बुनियाद आपसी इज़्ज़त, अदब और मोहब्बत पर होती है। इस्लाम, जो इंसानियत को एक बेहतर ज़िंदगी का रास्ता दिखाता है, उसी इज़्ज़त और अदब को अपने उसूलों में एक अहम मक़ाम देता है। इस्लाम की नज़र में अदब (respect) महज़ एक अच्छा अख़लाक़ नहीं, बल्कि एक दीनी फ़र्ज़ है।

इज़्ज़त का असल हक़दार

इस्लाम बताता है कि इज़्ज़त सबसे पहले ख़ुदा (अल्लाह) का हक़ है। वही हमारा पैदा करने वाला है, उसी ने हमें ज़िंदगी के उसूल सिखाए। लिहाज़ा, सबसे पहले हमारा फ़र्ज़ है कि हम अल्लाह की इताअत करें, उसके हुक्मों पर चलें और उसके बताए रास्ते पर आगे बढ़ें। यही असली इज़्ज़त और अदब की पहली सीढ़ी है। "और जो कोई अल्लाह और उसके रसूल की इताअत करे, और अल्लाह से डरे और उसका हक़ अदा करे — वही लोग कामयाब हैं।" (क़ुरआन 24:52)

अदब सिर्फ अल्लाह के लिए नहीं

इस्लाम हमें सिखाता है कि अल्लाह के साथ-साथ तमाम इंसानों, जानवरों और क़ुदरत के लिए भी हमारा रवैया अदब और रहम से भरा होना चाहिए। किसी की इज़्ज़त को ठेस पहुँचाना, किसी की ग़लती को उछालना या दूसरों के ऐब तलाश करना इस्लाम की तालीम के ख़िलाफ़ है।

ग़ीबत और चुग़लख़ोरी – इज़्ज़त की तौहीन

आज के दौर में एक बड़ी बीमारी बन चुकी है – ग़ीबत (पीठ पीछे बुराई करना)। अक्सर लोग इसे मामूली बात समझते हैं, मगर इस्लाम में इसे मुर्दा भाई का गोश्त खाने जैसा संगीन गुनाह बताया गया है। "ऐ ईमान वालों! बहुत से शक़ों से बचो... और न एक-दूसरे की ग़ीबत करो। क्या कोई अपने मरे हुए भाई का गोश्त खाना पसंद करेगा? (क़ुरआन 49:12)। नबी करीम स.अ. ने फ़रमाया कि एक इंसान अपनी ज़बान से निकले एक लफ़्ज़ की वजह से जन्नत से दूर और जहन्नम के क़रीब हो सकता है, अगर वो लफ़्ज़ किसी की तौहीन करता हो।

मुल्क, उम्मत और इंसानियत की बुनियाद – इज़्ज़त

किसी समाज की पहचान उसके आपसी ऐहतराम में होती है। इस्लाम कहता है कि दूसरों के लिए वही चाहो जो अपने लिए चाहते हो। यह सिर्फ एक उसूल नहीं, बल्कि इंसानी रिश्तों की बुनियाद है। आज जब मीडिया और सोशल मीडिया पर ग़ीबत और तौहीन का बाज़ार गर्म है, हमें यह याद रखने की ज़रूरत है कि हम अल्लाह के सामने ज़िम्मेदार हैं, अपनी ज़बान, अपने अमल और अपने रवैये के लिए।

रहमत का दरवाज़ा हमेशा खुला है

इस्लाम सख़्ती नहीं, बल्कि रहमत का मज़हब है। अगर कोई इंसान ग़लती करे, ग़ीबत में पड़ जाए या किसी की इज़्ज़त को नुक़सान पहुँचाए, तो सच्चे दिल से तौबा करने और अपनी आदत बदलने से अल्लाह उसे माफ़ कर देता है। "अगर तुम किसी गुनाह से ज़हालत में फिसल जाओ, फिर तौबा कर लो और अच्छे अमल करो — तो अल्लाह बख्शने वाला है, रहमत वाला है।" (क़ुरआन 6:54)

इस्लाम में अदब एक मजबूरी नहीं, बल्कि एक शान है। यह अल्लाह की रहमत पाने का ज़रिया है और इंसानी रिश्तों को महफूज़ रखने का सबसे ताक़तवर हथियार। आइए, हम सब मिलकर ऐसी ज़बान, ऐसा बर्ताव और ऐसा समाज बनाएं — जहाँ हर इंसान को इज़्ज़त मिले, और हर ज़बान अल्लाह की इताअत में लगे।

हज में शैतान को कंकरी मारने की कहानी

-इबादत, कुर्बानी और सब्र का सबक

इस्लाम के पांच बुनियादी स्तंभों में से एक है हज, जो हर साल दुनिया भर के लाखों मुसलमानों को मक्का की पाक सरज़मीन पर जमा करता है। हज के दौरान एक ऐसा अमल किया जाता है जो शायद बाहरी तौर पर अजीब लगे शैतान को कंकरी मारना (रमी जमरात)। लेकिन इसके पीछे एक बेहद गहरी रूहानी हकीकत और तवारीखी वाक़िआ छुपा है। यह रिवायत हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की ज़िंदगी से जुड़ी है। अल्लाह ने उन्हें हुक्म दिया कि वो अपने प्यारे बेटे हज़रत इस्माईल को उसकी राह में कुर्बान करें। ये हुक्म जितना बड़ा था, उतनी ही बड़ी थी इब्राहीम की आज़माइश। जब इब्राहीम अपने बेटे को लेकर मिना की जानिब रवाना हुए, शैतान ने तीन अलग-अलग जगहों पर उनके सामने आकर उन्हें अल्लाह के हुक्म से रोकने की कोशिश की। हर बार फ़रिश्ते जिबरील आए और कहा, "इसे कंकरी मारो!" — और इब्राहीम ने शैतान को सात-सात कंकरी मारकर दूर भगा दिया। इस वाक़िए को मशहूर मुस्लिम तारीख़दान अल-अज़रक़ी ने कुछ यूं बयान किया: "जब इब्राहीम मिना से अल-अक़बा की जानिब उतरे, तो शैतान उनके सामने आया। जिबरील ने कहा, 'इस पर कंकरी मारो', और इब्राहीम ने सात कंकर मारे। फिर मिडल जमरा पर आया, फिर छोटे जमरा पर – हर जगह शैतान को कंकरी मारकर दूर भगाया गया।" हज में शैतान को कंकरी मारना एक प्रतीकात्मक अमल है — यह शैतान को नहीं, ख़ुद के अंदर की बुराइयों और ख्वाहिशों को ठुकराने का ऐलान है।

इस अमल के ज़रिए मुसलमान जताते हैं कि: हम अल्लाह के हुक्म के आगे किसी भी चीज़ को तरजीह नहीं देंगे।

हम अपने अंदर के लालच, शक, घमंड और नाफरमानी को कंकरी मार रहे हैं। हम उस शैतानी आवाज़ को खामोश कर रहे हैं जो हमें नेकी से रोकती है। रसूलुल्लाह (स. अ.) की तालीम और अमल: हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रज़ि. फ़रमाते हैं कि: "रसूलुल्लाह (स. अ.) ने जमरात को कंकरी मारते वक़्त तलबिया

(लब्बैक) पढ़ना बंद नहीं किया, और सात कंकरों से रमी की।" (बुखारी: 1685, मुस्लिम: 1282). एक और रिवायत में आता है कि रसूलुल्लाह (स. अ.) ने बड़े जमरा को मक्का अपनी बाईं तरफ और मिना को दाईं तरफ रखकर सात कंकर मारे और फ़रमाया: "यही तरीका उस शख्स का था जिस पर सूरह अल-बक़रा नाज़िल हुई।" (बुखारी: 1748). आज जबकि दुनियावी लालच, सोशल मीडिया की ग़ीबतें, और दिल के अंदर छुपे हुए शक हमें नेकी से रोकते हैं — शैतान अब हमारे सामने जिस्मानी शक्ल में नहीं आता, बल्कि सोचों, ख्वाहिशों और गुनाहों के रूप में आता है। हज में शैतान को कंकरी मारना यह सिखाता है कि: हर मुसलमान को रोज़ अपने अंदर के शैतान से लड़ना है। यह अमल अल्लाह की फरमांबर्दारी और तौहीद पर अडिग रहने की मिसाल है। हर साल जब लाखों मुसलमान मिना में जमरात को कंकरी मारते हैं, तो वो दरअसल शैतान से बग़ावत और अल्लाह से वफ़ादारी का ऐलान कर रहे होते हैं। यह सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि रूह की ताज़गी और नफ़्स की सफाई का सफ़र है। हज के इस अमल के पीछे जो तालीम है — वो है सब्र, त्याग, और अल्लाह की राह में हर रोकावट को ठुकरा देना। यह अमल हमें याद दिलाता है कि हज़रत इब्राहीम की तरह हमें भी हर दिन अपने शैतान को कंकरी मारनी है — अपने दिल, ज़बान और अमल से।

मक्का में शैतान को मारे गए पत्थर कहाँ जाते हैं ? - जब तमाम हाजी अराफात और मुज्दालिफा में रुकने के बाद मिना (एक जगह का नाम है) जाते हैं और मिना में ही वो जगह है जहाँ शैतान को कंकरियां मारी जाती हैं। आपके दिमाग में सवाल आया हो होगा कि हर हाजी शैतान को सात कंकरियां मारता है तो इतनी सारी कंकरियां जाती कहाँ हैं और फिर मारने के लिए कंकरियां मिलती कहाँ से हैं, तो चलिए इसके बारे में हम जानते हैं कि इसका इन्तेजाम कैसे किया जाता है और उनको ठिकाने कैसे लगाया जाता है। सब से पहले तो ये जान लीजिये कि जहाँ कंकरियां मारी जाती हैं वो जगह चार मन्जिल गहरी है यानि उसमें क़रीबन 15 मीटर गहराई है, जो हाजी पत्थर मारता है वो उसी जगह जाकर इकठ्ठा हो जाती हैं, सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) से बात करते हुए, केदाना कंपनी के एक कर्मचारी, ई. अहमद अल-सुबही ने खुलासा किया कि जमारत में कन्कारियों को संभालने का काम हाजियों के पत्थर मारने का काम ख़त्म होने के पहले दुसरे और तीसरे दिन शुरू होता है और उसको 4 चरण में पूरा किया जाता है । चरण 1: पत्थर एक जगह इकट्ठा हो जाते हैं, चरण 2: फिर पत्थरों को एक बड़े आटोमेटिक टब में मुन्ताकिल किया जाता है चरण 3: पत्थरों को छोटे-छोटे हिस्सों में इकट्ठा किया जाता है, चरण 4: और फिर इन पत्थरों को दूसरे हाजियों को फिर से इस्तेमाल करने के लिए recycle किया जाता है । अल-सुबही ने बताया कि हाजियों के फेंके गए कंकर जो नीचे की ओर गिरते हैं और तहखाने में जाकर जमा हो जाते हैं, फिर उन पत्थरों को इकट्ठा करने और उन पर पानी छिड़कने, कंकड़ से चिपकी धूल और गंदगी को हटाने का काम किया जाता है। आख़िर में, साफ किए गए कंकरों को वाहन में स्थानांतरित कर दिया जाता है और हज सीजन समाप्त होने के बाद दोबारा इस्तेमाल के लिए उसको स्टोर कर लिया जाता है।

ब्रीफ खबरें

नि:शुल्क यूनानी चिकित्सा पद्धति परामर्श शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। अंजुमन मदरसा इस्लामिया सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, मांगरोल में यूनानी व आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति परामर्श शिविर दिनांक 24 मई, रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया गया। इस शिविर में 140 रोगियों को उपचार दिया गया। डॉ. राज़िक हुसैन ने बताया है कि यूनानी चिकित्सा पद्धति में प्रत्येक मरीज के व्यक्तिगत मिज़ाज के हिसाब से रोगों का उपचार होता है, इस पद्धति में उपचार के चार मुख्य तरीके इलाज-बिल-तदबीर (Regimental Therapy), इलाज-बिल-गिज़ा (Diet Therapy), इलाज-बिल-दवा (Pharmacotherapy), इलाज-बिल-यद (Surgery) हैं। इस निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर में डॉ. नासिर हुसैन, डॉ. राजिक हुसैन, डॉ. नोशीन बानो, डॉ. मोहम्मद इमरान, राहिल हुसैन, एजाज अहमद ओर अयान ने अपनी सेवाएं दी। जिसमें गर्दन दर्द, कमर दर्द, पीठ दर्द, कन्धे दर्द, जोड़ दर्द, घुटनों में दर्द, साइटिका, गठिया, स्लिप डिस्क, पथरी, बवासीर, अस्थमा, पुरुष व स्त्री रोग, बालों का झड़ना, चर्म रोग एवं मौसमी बीमारियों का निःशुल्क उपचार व औषधियां वितरित की गयी। इसके साथ ही हिज़ामा थैरेपी (कपिंग थैरेपी) तथा मसाज थैरेपी भी की गई।

जिला कलक्टर ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

-सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी, अधिकारियों को लगाई फटकार

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने शनिवार को शहीद राजमल मीणा राजकीय जिला अस्पताल, बारां का मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सी.पी. मीणा एवं पीएमओ डॉ. नरेन्द्र मेघवाल के साथ औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने ओपीडी विंग, पुरानी आईपीडी विंग के वार्डों, पैथोलॉजी लैब सहित विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वार्डों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उपचार, निःशुल्क दवा वितरण एवं उपलब्ध सुविधाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था असंतोषजनक पाए जाने पर जिला कलक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए तथा अस्पताल परिसर की नियमित सफाई एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। इसके पश्चात जिला कलक्टर ने नवनिर्मित 240 बेडेड मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भवन में उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सीय उपकरणों एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों से अस्पताल संचालन की तैयारियों पर चर्चा कर नवीन भवन को शीघ्र क्रियाशील करने हेतु समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर असावा ने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पताल में व्यवस्थाओं के सुधार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मोड़क स्टेशन की होनहार छात्रा मारिया बी हुई सम्मानित

रामगंजमंडी/कोटा (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी कोटा में दैनिक भास्कर प्रतिभा समारोह एजुकेशन फेयर आयोजित किया गया। जिसमें मोड़क स्टेशन की होनहार छात्रा मारिया बी D/O मो. रिजवान को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मारिया बी ने इस वर्ष 12th बोर्ड में 92% अंक हासिल कर खैराबाद ब्लॉक में पांचवा स्थान प्राप्त किया था। मोड़क स्टेशन से पहली बार छात्रा मारिया बी को सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ। मारिया बी के पिता मो. रिजवान रामगंज मंडी कांग्रेस ब्लॉक A कोषाध्यक्ष ने बताया कि परिवार और रिश्तेदारों में हर्ष का माहौल है।

जिला महासचिव बनने पर समदर शाह भाटी का सेडिया ग्रामीणों ने किया स्वागत

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान महासचिव ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन नाजिमें आला नबी बक्स सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल द्वारा समदर शाह भाटी को कांग्रेस जिला महासचिव बनने पर सेडीया ग्रामीणों द्वारा बड़ी धूमधाम से माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। समदर शाह भाटी ने कहा है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुझ पर भरोसा जताकर एहसान किया है आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़कर संगठन को सशक्त मजबूत बनाएंगे,और गांव-गांव तक पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे, यही हमारा उद्देश्य है सक्रिय कार्यकर्ता की भूमिका निभाते हुए पार्टी की खरी उम्मीद पर उतरने की कोशिश करूंगा सभी वर्ग को साथ में लेकर पार्टी को मजबूत बनाऊंगा। इस मौके पर राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा उपाध्यक्ष अकबर शाह, मौलाना अली असगर, कासमखान, हमीर खान, मोबिन खान, सदाम खान, जुमा खान, अलारख खान कुड़ा, मारफखान अमीरशाह, अली मोहम्मद शाह, सलीम शाह, इब्राहीम शाह भाटी सहित समस्त ग्रामीण मौजूद थे।

ईदगाह कमेटी अंता द्वारा दीनी कंपटीशन अवार्ड प्रोग्राम संपन्न

अंता (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह कमेटी अंता का दीनी कंपटीशन अवॉर्ड प्रोगाम शनिवार 23 मई 2026 को राज पैलेस अंता में क़ाज़ी-ए-शहर कोटा ज़ुबैर अहमद साहब की सदारत में आयोजित किया गया। प्रोग्राम कन्वीनर रईस अहमद, कमेटी के प्रवक्ता फिरोज अंसारी एवं सदाकत अली ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले दिनों 17 मई 2026 को दीनी कंपटीशन परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमें 248 स्टूडेंट ने हिस्सा लिया था जिसका परिणाम घोषित करते हुए बच्चों को गाइडेंस देने के लिए प्रोग्राम आयोजित किया गया। प्रोग्राम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से हाफिज शाहिद रजा, इमाम जामा मस्जिद द्वारा किया गया। प्रोग्राम के विशिष्ट अतिथि मोहम्मद रिजवान खान मेंबर राजस्थान मुस्लिम फोरम द्वारा अपने संबोधन में समाज के जिम्मेदारों से कहा कि हमें चाहिए कि मौजूदा हालात में इत्तेहाद कायम करते हुए समाज के होनहार स्टूडेंट्स को शिक्षा के रास्ते में आने वाली परेशानियों को दूर करते हुए उनका सहयोग करें ताकि सरकारी नौकरियों में घटते हुए प्रतिशत को बढ़ाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई जा सके। मुख्य अतिथि प्रोफेसर नईम फलाही फॉर्मर ज्वाइंट सेक्रेटरी हायर एजुकेशन गवर्नमेंट ऑफ राजस्थान रहे जिन्होंने अपने भाषण के जरिए कहा कि इस्लाम में दीनी और दुनियावी शिक्षा में कोई फर्क नहीं रखा गया है इसलिए हम सभी को दीनी शिक्षा को हासिल करते हुए दुनियावी शिक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करके अपने देश प्रदेश एवं अपने समाज की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए। दीनी कंपटीशन का मकसद दीन के बारे में अपनी नॉलेज को बढ़ाना है और स्टूडेंट द्वारा भी इस मकसद को बखूबी पूरा किया गया है। मुख्य अतिथि काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद साहब ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा हासिल करना सब पर फर्ज है खासकर लड़कियों से मुखातिब होते हुए कहा कि लड़कियों को इस्लामी दायरे में रहकर एजुकेशन के क्षेत्र में बेहतरीन रिजल्ट हासिल करते हुए अपनी पहचान बनाने की बात कही।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथियों में शहर काजी अंता जमील मोहम्मद भी शामिल रहे। प्रोग्राम के अंत में ईदगाह सदर हाजी रसूल मोहम्मद ने सभी मेहमानों और कंपटीशन में हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट एवं बच्चों की हौंसला अफजाई करने आए अंता के तमाम आवाम व जिम्मेदारों का शुक्रिया अदा किया। मंच संचालन अखलाक खान एवं रईस अहमद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अतिथियों के द्वारा गाइडेंस के बाद कंपटीशन में हिस्सा लेने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को पारितोषिक के रूप में है 3100, 2100 एवं ₹1100 नगद एवं मोमेंटो दिया गया। ए कैटेगरी में प्रथम स्थान पर जहरा खान, द्वितीय मो. अर्श अंसारी एवं तृतीय स्थान जिक्रा बी। इसी तरह से बी कैटेगरी में प्रथम स्थान फातिमा, द्वितीय मोहम्मद इशान एवं तृतीय स्थान पर आसिफा अंसारी रही। सी कैटेगरी में प्रथम स्थान पर औसाफ, द्वितीय पर मोहम्मद अनस एवं तृतीय स्थान पर सायमा अंसारी ने प्राप्त किया। प्रोग्राम में शामिल सभी 248 अभ्यर्थियों को भी सर्टिफिकेट और इनाम दिए गए। प्रोग्राम में ईदगाह कमेटी जिम्मेदार सेक्रेटरी जावेद रईस, नायब सदर अब्दुल रईस खान, नासिर हुसैन, नूरुल हसन, फरीद अली, हाफिज सिद्दिक, अरशद अखलाक, मोबिन शेख, असलम मंसूरी, शाकिर टीचर, मोहम्मद अय्याज, एजाज़ अहमद, वरिष्ठ पत्रकार उस्मान खान अंता, शेरू खान, हाजी सलाम मंसूरी, हाफिज लुकमान, अबरार अली, इक़बाल खान, एडवोकेट मेहमूद हसन खान, हाजी सलाम अंसारी सहित अंता के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। प्रोग्राम में आए लोगों ने प्रोग्राम की सराहना करते हुए ईदगाह कमेटी के जिम्मेदारों से इस तरह के आयोजन करते रहने का सुझाव दिया।

आईएएस, आरएएस की तैयारियां कर रहे युवाओं के लिए एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

जालौर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े मुस्लिम वर्ग में पहली बार एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। सरपरस्ती हजरत पीर सैयद बापू गुलाम हुसैन शाह जिलानी सुजा शरीफ बाड़मेर की देख रेख में आईएएस, आईपीएस,आरएएस की तैयारी कर रहे हैं युवाओं के साथ हर समय शिक्षा को लेकर तात्पर्य दिखाने वाले पीर साहब ने सेमिनार आयोजित करवाया जो युवा शिक्षा के क्षेत्र में उत्साह के साथ रात दिन मेहनत करते हैं उन बच्चों के भविष्य को साहकार बनाने के लिए सेमिनार आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि एम. डी. चोपदार प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग व राजस्थान मदरसा बोर्ड जयपुर के अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद आमीन खान सर डायरेक्टर एचकेजेड, आईएएस & आरएएस हाईं नोलेज जॉन सेवा संस्था जयपुर द्वारा सेमिनार आयोजित हुआ। जिसमें जालौर जिले के आए हुए समस्त युवाओं को कहा ज्यादा से ज्यादा शिक्षा के क्षेत्र में उत्साह के साथ आओ और जो युवा शिक्षा प्राप्त तो करना चाहता है लेकिन परस्थिति के कारण अपने सपने पूरे नहीं करने में असमर्थ है उन बच्चों को भी कोर कमेटी ने बड़ी उत्साह के साथ उन युवाओं को जोड़कर कर साथ लेकर चलने की बात कही। यह संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी फैकेल्टी, बेहतर मार्गदर्शन एवं प्रतियोगी माहौल उपलब्ध करवाकर युवाओं के सपनों की उड़ान का कार्य करेगी। निश्चित रूप से यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाते हुए राजस्थान के युवाओं के उज्जवल भविष्य की नींव साबित होगी। इस मौके पर कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष जाकिर खान रंगरेज, बालोतरा कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष हाजी मूसे खां, पूर्व प्रधान डॉ. शमशेर अली सैयद कमालपुरा, राजस्थान महासचिव ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन नाजिमें आला नबी बक्स सरवरी पीर की जाल, कांग्रेस कमेटी जिला उपाध्यक्ष उर्स मोहम्मद सरवना, दरगाह पीर की जाल सचिव ऊके खां वरनवा, अमरदीन खां किरवाला, सलीम खां जालौर, सुजा मोहम्मद ब्लॉक अध्यक्ष चैनपुरा, जाकिर हुसैन विरोल, रजब खां एडवोकेट जालौर, तालब खान चितलवाना, जलील खान हिंगोरजा सूथडी, मास्टर हुसैन खान मैत्रीवाडा समस्त पदाधिकारीगण सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रामगंजमंडी जिला चिकित्सालय भवन का भूमि पूजन सम्पन्न

-स्पीकर बिरला ने कहा विकास में मापदंडो में रामगंजमंडी सबसे ऊपर होंगी

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 63.60 करोड़ की लागत से बनने वाले रामगंजमंडी जिला चिकित्सालय भवन की नींव रखी, शिक्षा पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर भी उपस्थिति रहे दोनों ने भूमि पूजन किया। जिला प्रयास रहेगा चिकित्सालय परिसर में आयोजित सम्बोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि रामगंजमंडी की अपेक्षा आकांक्षा थी कि जब कडी से जुड़ेगी तो यहां विकास होगा आज केंद्र व राज्य में भाजपा सरकार हैं यहां आने वाले समय में चाहे इंडस्ट्री हो, कृषि हो रोजगार के अवसर सृजन होंगे, रामगंजमंडी की देश दुनिया में पहचान है, अब ये विकास में भी अपनी पहचान बने, लम्बे समय से जो भाव थे, उसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा हैं, अभावों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जावेगा। रामगंजमंडी में एक इंच जमीन सिंचित नहीं होती थी, हमारे प्रयास हैं हर खेत तक पानी पहुंचे। पीने के पानी की समस्या थी, आने वाले समय में हर घर नल होगा। दो साल में हर गांव में पीने का पानी घर-घर पहुंचेगा। देश का पहला सैनिक विद्यालय रामगंजमंडी में स्वीकृत हुआ हैं रामगंजमंडी शहर आने वाले समय में देश का सबसे ज्यादा विकसित उप खण्ड बनेगा। सड़क केनेक्टिविटी होंगी, रेल केनेक्टिविटी होगी, हवाई केनेक्टिविटी कोटा में होंगी। 232 करोड़ो के विकास कार्य होंगे, इलाज के मामले में चिकित्सा व्यवस्था भी होंगी। खेल स्टेडियम होगा,विकास मापदंडो में रामगंजमंडी प्रदेश में सबसे ऊपर होगा। रामगंजमंडी की जनता ने जो विश्वास किया, उसका फल मिलेगा। इस अवसर पर शिक्षा व पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि जिला चिकित्सालय का सम्पूर्ण भवन निर्माण डेढ़ साल में पूरा हो जायेगा, अपने क्षेत्र में किए विकास कार्यों को बताते हुए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गाँधी को निकम्मा बताते हुए कहा कि उसे इस देश की धरती पर रहने का अधिकार नहीं है, ये चाहते हैं कि देश की सरकार आतंकवादियों के हाथों में हो। सभा को भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर ने भी सम्बोधित किया। समारोह को भाजपा प्रदेश कार्य समिति के पूर्व सदस्य वीरेंद्र जैन, पूर्व प्रधान भगवान सिंह धाकड़, पूर्व पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल ने भी सम्बोधित किया। नगर भाजपा प्रभारी महेश श्रीवास्तव ने बताया कि सुप्रभात समूह, गिराज धरण कृपा मंडल, गायत्री परिवार, आरोग्य भारती, भारत विकास परिषद, जैन समाज, महावीर इंटरनेशनल धरणीधर, खाद्य व्यापार संघ, लघु उद्योग भारती, बिजासन माता मंदिर समिति गोवर्धनपुरा, बार एसोसिएशन, कोटा स्टोन संगठन, जल सेवा दल, राजपूत समाज, धाकड़ समाज, गुर्जर समाज, बंजारा समाज, दिगंबर जैन समाज, पोरवाल समाज, अहीर समाज, मेघवाल समाज एवं बैरवा समाज सहित तीन दर्जन से अधिक स्थानीय संस्थाओं और समाज बंधुओं ने समारोह में पहुंचकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत-अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया तथा अपनी प्रसन्नता जताई।

प्रभारी सचिव ने ली जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

-'वंदे गंगा' अभियान व बजट घोषणाओं को समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रभारी सचिव हरिमोहन मीणा की अध्यक्षता में रविवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा, अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, एडीएम शाहबाद जब्बर सिंह सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी सचिव मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' में दिए गए दायित्वों को पूरे मनोयोग से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि अभियान से आमजन को जोड़कर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता लाई जाए तथा अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। मीडिया कर्मियों की सक्रिय भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने अभियान के तहत चल रहे कार्यों का भ्रमण करवाने के निर्देश दिए। 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत, विद्यालय, पुलिस थाने आदि स्थानों पर भू-जल पुनर्भरण हेतु शॉक पिट निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जल संरक्षण एवं विवेकपूर्ण उपयोग के लिए जन जागृति लाने, सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा आमजन से समझाइश करने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने रूफ टॉप सोलर प्लांट के लिए आमजन को जागरूक करने एवं सरकारी कार्यालयों में इन्हें स्थापित करने, बिजली विभाग के ट्रांसफार्मरों के आसपास सफाई तथा खुले तारों की मरम्मत करवाने, पॉलिथीन मुक्त अभियान चलाकर वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने एवं टैंकरों से आपूर्ति की जानकारी लेते हुए उन्होंने समाचार पत्रों में प्रकाशित नकारात्मक खबरों पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्यवाही करने तथा एक्शन टेकन रिपोर्ट भिजवाने को कहा। सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई के भी निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा योजना में नवीन पात्र परिवारों को जोड़ने एवं लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने को कहा। बैठक में कुसुम योजना, आरडीएसएस, लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, ग्राम सड़क योजना, अटल प्रगति पथ, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, जल जीवन मिशन, मिशन हरियालो राजस्थान, अमृत योजना एवं पीएम जनमन योजना की समीक्षा की गई। प्रभारी सचिव ने योजनाओं में जिले की रैंक सुधारते हुए लक्ष्यों को समयावधि में प्राप्त करने के निर्देश दिए। वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी बजट घोषणाओं को निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आपसी सहयोग से समाधान सुनिश्चित करें।

सादुलपुर की जन आक्रोश सभा में सांसद राहुल कस्वा ने सरकार पर साधा निशाना

-बोले जनता पानी के लिए तरस रही सरकार गहरी नींद में, कांग्रेस नेताओं ने निकाय और पंचायत चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का किया आह्वान

मोहम्मद अली पठान

चूरू/सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य बाजार में कांग्रेस पार्टी की तरफ से विशाल जन आक्रोश जनसभा का आयोजन पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां के सानिध्य में किया गया। सभा के बाद सभी नेता और बड़ी संख्या में लोग पैदल चलते हुए रेलवे स्टेशन होते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे और उपखंड अधिकारी को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सभी नेताओं ने उपखंड अधिकारी को कहा कि 10 दिवस में व्यवस्था नहीं सुधरी तो सड़क जाम कर उग्र प्रदर्शन किया जायेगा। भंयकर गर्मी के बीच हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि आज सादुलपुर ही नहीं बल्कि चूरू जिले में पेयजल की भारी किल्लत से लोग बेहाल हैं। हालात इस कदर बेहाल हैं कि लोगों को हजारों रूपये देकर टैंकर डलवाने पड़ रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत काम अटके पड़े हैं। जिले में 70 करोड़ का डेविएशन का बजट स्वीकृत नहीं होने से अनेकों टंकिया जुड़ नहीं पा रही हैं, जिससे लोग प्यासे रहने को मजबूर हैं। इसी प्रकार बिजली की भयंकर अघोषित कटौती ने आमजन को बेहाल कर रखा है। कोई सुध लेने वाला नहीं है, जिला प्रशासन और सरकार गहरी नींद में सो रहे हैं और से हुंकार के माध्यम से हम सब सोये हुए नकारा लोगों को जगाने का काम कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीद से लेकर नगरपालिका तक भ्रष्टाचार का आलम है। 2 साल में 6 ईओ बदल चुके हैं, लेकिन काम कुछ हो नहीं पा रहा। शहर में गंदगी के ढेर लगे हैं। सांसद ने चिकित्सा सुविधाओं की बेहाली

पर भी सरकार पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के स्वीकृत पदों में से लगभग पद खाली पड़े हैं, जांच मशीनें बंद पड़ी हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार सुध नहीं ले रही। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जनता को उसके हाल पर छोड़कर कहा जा रहा कि मैलोडी खाओ। कांग्रेस जिलाध्यक्ष और सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने कह कि भाजपा सरकार पूरी तरह फैल हो चुकी है। हम सबको लगातार मजबूती से आवाज उठानी होगी और आगामी निकाय व पंचायत चुनावों में इनको करारी शिकस्त देकर आईना दिखाना है। पूरी कांग्रेस एकजुट है और चूरू जिले में मजबूती के साथ भाजपा की जनविरोधी नीतियों का मुकाबला करेंगे। तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया ने कहा कि बिजली और पानी के इतने खस्ताहाल किसी सरकार में नहीं देखे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अमरपुरा धाम में एक व्यक्ति पेयजल से फलों का बाग लगा रहा है लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा। महंगाई की मार और आर्थिक मौर्चे पर नरेन्द्र मोदी की विफलता ने जनता की कमर तोड़ने का काम किया है। पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है। बिजली, पानी की व्यवस्था पूर्णतया पटरी से उतर चुकी है। सरकार में बैठे लोग खामोश हैं और जनता परेशान। जनता कांग्रेस की तरफ उम्मीद के साथ देख रही है, अतः कांग्रेस पार्टी भी चूरू जिले में एकजुट होकर पंचायत और निकाय में विजय हासिल करेगी और जनता के काम होंगे। पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया ने पानी, बिजली की अव्यवस्था के साथ-साथ एमएसपी खरीद में घोटाले को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ छलावा करने वालों को सजा दिलाने का काम करेंगे। सभा को पूर्व विधायक कमला कस्वां, पीसीसी सदस्य अमरसिंह सांगवान, जिला परिषद सदस्य कमला पूनिया व विमला कालवा, वरिष्ठ नेता मोहनलाल आर्य, पूर्व चैयरमैन जगदीश बैरासरिया, रियाजत खान, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पूनिया, करतार टांडी, शीशपाल पूनिया, नाहरसिंह, महेन्द्र सहारण, रामकुमार मुहाल, मोहरसिंह कस्वां, नियाज मोहम्मद ने सम्बोधित किया। संचालन डॉ. कुलदीप पूनिया ने किया।

ब्रीफ खबरें

जयपुर विरोध प्रदर्शन में मुस्ताक खान पीसीसी सचिव ने दी गिरफ़्तारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से बड़ी तादाद में कांग्रेसजन मुस्ताक खान राजस्थान प्रदेश सचिव के नेतृत्व में नीट पेपर के लीक होने के खिलाफ जयपुर में बीजेपी कार्यालय के घेराव में अपने साथियों के साथ शामिल हुए और विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर विद्याधर नगर थाने में रखा विद्यार्थियों की हक की लड़ाई लड़ते हुए मुस्ताक खान गिरफ्तार हुए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आह्वान पर केंद्र की सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने जयपुर की सड़कों पर प्रदर्शन किया और अनेक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तारिया दी और कहा- NEET पेपर लीक

देश के लाखों अभ्यर्थियों के साथ किया गया विश्वासघात है, जिसकी कोई माफ़ी नहीं है। ये पेपर लीक भाजपा सरकार की नाकामी का सबूत है। छात्रों के सपनों को रौंदने वाली संस्था NTA को बैन किया जाए और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान अपने पद से तत्काल इस्तीफ़ा दें। और सख़्त से सख़्त सजा मिलनी चाहिए। आप के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे थे।

चूरू 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम. आईपीएस ने बताया कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के फिट इंडिया मिशन के तहत पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 'संडेज ऑन साइकिल' अभियान का एक विशेष संस्करण प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान के तहत चूरू जिला पुलिस द्वारा 24 मई 2026, रविवार को प्रातः साईकलिंग के साथ-साथ योग, जुंबा और रोप स्किपिंग आदि गतिविधियों का सामूहिक रुप से जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड में आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में निश्चय प्रसाद एम आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू, सुनिल कुमार आरपीएस अति. पुलिस अधीक्षक चूरू, विजय कुमार आरपीएस साइबर पुलिस थाना चूरू, मुकुट बिहारी पुलिस निरीक्षक संचित निरीक्षक

पुलिस लाईन चूरू, श्रीमती रचना बिश्नोई पुलिस निरीक्षक महिला थानाधिकारी चूरू, मोटाराम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी सदर चूरू सहित पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, पुलिसकर्मियों के परिवारजन, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, स्कूल व कॉलेज के बच्चों सहित लगभग 270 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाईन चूरू स्थित परेड ग्राउंड में योगा व जुम्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक चूरू ने जागरूकता हेतु पुलिस लाईन चूरू से साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो पुलिस लाईन चूरू से कलेक्ट्रेट सर्किल, रेलवे स्टेशन, सुभाष चौक, पंखा सर्किल, आपणी योजना होते हुए पुलिस लाईन चूरू पहुंची। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ शरीर, तनाव प्रबन्धन, ईंधन बचत व पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम का संदेश "फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज" स्लोगन के माध्यम से दिया गया।

पालीवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पाली-दिल्ली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर वासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को पाली रेलवे स्टेशन से दिल्ली जाने वाली नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जयपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी, जिससे पाली के यात्रियों को राजधानी तक सीधी रेल सुविधा मिल सकेगी। रेल मंत्री के पाली स्टेशन पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और आमजन ने जोरदार जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। फूल-मालाएं पहनाकर और साफा बांधकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस

अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से ही पाली को जयपुर और दिल्ली से सीधे रेल मार्ग से जोड़ने की बड़ी मांग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सौगात क्षेत्रवासियों को दी है। उन्होंने इसके लिए जनता का अभिनंदन करते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मंच पर पहुंचने के बाद रेल मंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद पी पी चौधरी, मारवाड़ विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, पूर्व सांसद पुष्प जैन, सोजत विधायक शोभा चौहान, मारवाड़ विधायक केसाराम, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख तथा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने रेल मंत्री का स्वागत किया और इसे पाली जिले के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

सांचौर वेडिया के नवाब खान राजड़ के घोड़े ने पंजाब में जीती घुड़ दौड़

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। वेडिया जालोर जिले के वेडिया निवासी नवाब खान राजड़ के घोड़े ने पंजाब के मेगा जिले के आलम वाला गांव में आयोजित घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में अपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विजेता को पुरस्कार स्वरूप दो ट्रॉफी और दो स्कूटी प्रदान की गई, जिसमें टीम और क्षेत्र में उत्साह का माहौल है घोड़े के मालिक सद्दाम खान राजड़ की टीम विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाली घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में नियमित रूप से हिस्सा लेती हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा की पंजाब में यह जीत हासिल कर जालौर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी टीम का मुख्य लक्ष्य आगामी सभी रेसों में बेहतर प्रदर्शन करना और लगातार प्रथम स्थान प्राप्त करना रहता है। सद्दाम खान के अनुसार उनकी टीम राजस्थान, गुजरात, पंजाब सहित कई राज्यों में होने वाली घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लेती है और लगातार अपनी पहचान बना रही है या जीत टीम के अथक प्रयास और घोड़े के प्रशिक्षण का परिणाम है। राजड़ परिवार में अति उत्साह है कि उनका घोड़ा प्रथम स्थान हासिल करता है राजस्थान और जालोर जिले का नाम रोशन करता है उन्हें बहुत ही खुशी महसूस हुई हैं आगे भी प्रदेश का नाम रोशन हो ऐसी आशा के साथ प्रतियोगिता में भाग लगातार ले रहे हैं।

परंपरागत बकरा मंडी रांगनियां मोहल्ले में 24 मई से लगेगी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज के पर्व ईदुल अजहा को लेकर हर वर्ष लगने वाली बकरा मंडी इस वर्ष भी कुरैशी चौक रांगनियां मोहल्ला व्यापारियों का बास पाली (राज.) व हैदर कॉलोनी में लगेगी, बकरा मंडी का आयोजन 24 मई रविवार से 27 मई बुधवार तक होगा। यह जानकारी देते हुए असगर कुरैशी ने बताया कि हर वर्ष ईद उल अजहा के पर्व पर बकरा मंडी रांगनियां मोहल्ला में लगाई जाती है जिसमें राजस्थान के अलग-अलग जिलों से हर जाति धर्म के लोग बकरा खरीदने-बेचने के लिए आते हैं।

चूरू से मुस्लिम समुदाय द्वारा उठी मांग, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करे सरकार

-जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। मुस्लिम समाज की अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने समर्थन करते हुए कहा कि गाय हमारे हिंदू धर्म समाज के मानने वाले भाइयों की आस्था की प्रतीक है और हम मुस्लिम समुदाय इसका सम्मान करते हैं। हम चाहते हैं कि पूरे भारत में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए ताकि बहुसंख्यक समाज गाय को माता मानता है और आस्था का प्रतीक है। इसलिए हम मुस्लिम समाज की ओर से यह ज्ञापन प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में गाय को सदैव सम्मान, उपयोगिता और सेवा के प्रतीक के रूप में देखा गया है। गाय कृषि, दुग्ध उत्पादन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रही है। इसके दूध, गोबर एवं अन्य उपयोग समाज और खेती दोनों के लिए लाभकारी माने जाते हैं।

इस्लाम धर्म में भी गाय को महत्वपूर्ण जानवर बताया गया है। हमारे देश में करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ गाय से जुड़ी हुई हैं। आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को ध्यान में

रखते हुए हम यह मांग करते हैं कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने हेतु भारत सरकार तक यह ज्ञापन पहुँचाया जाए। प्रशासन से विनम्र निवेदन है कि हमारी इस मांग को सरकार तक अग्रेषित करें। ज्ञापन देने वालों में कई सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता हसनैन भाटी, कांग्रेस पार्षद अजीज खान दिलावरखानी, अख्तर खान रूकनखानी (पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रॉयल विकलांग विकास संस्थान, पार्षद शमीउल्लाह, पार्षद आसिफ निवाण, पार्षद असलम खान मोयल, पार्षद अली मोहम्मद भाटी, जाकिर खान के के पूर्व भाजपा अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष, सुलेमान मनियर मुशाहिद सफी कुरेशी, जहीर अब्बास, तैयब ट्रेलर, सद्दाम हुसैन चौहान, बबलू रूकनखानी आदि काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय उपस्थित रहा।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग जालौर की नई जिला कार्यकारिणी घोषित

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग एम. डी. चोपदार प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जालोर के अल्पसंख्यक विभाग की नई जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर नियुक्तियां घोषित की गई। संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को प्रभावित ढंग से उठाने के उद्देश्य से यह कार्यकारिणी बनाई गई। नई कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष जाकिर खां जालोर, अयूब खान लुहार संगठन महासचिव, एडवोकेट हनीफ खान पहाड़पुर जिला प्रवक्ता, गुरुवेंद्र सिंह एवं उस्मान मोहम्मद सरवाना सहित 10 जिला उपाध्यक्ष, नथमल जैन, इलियास शाह, मुख्तियार खां, मंजूर अली, साजन खां, अब्दुल शकूर सिंधी

कूड़ा सहित 35 जिला महासचिव, सदाम खां राजड़, समदर शाह भाटी सेडिया, मुबारक अली, राजू खां सहित 25 जिला सचिव, तौफीक मेमन सुल्तान खां सहित 10 संयुक्त सचिव,10 ब्लॉक अध्यक्ष,पांच नगर अध्यक्ष शामिल किए गए हैं ब्लॉक अध्यक्ष में फखरुद्दीन मेहर जालोर, सद्दाम हुसैन राजड सायला, चांद मोहम्मद आहोर, युसूफ खान भाद्राजून, नजीर खान भीनमाल, कासम खान मंगलिया बागोड़ा, एडवोकेट इब्राहिम शाह जुनेजा सांचौर, तालब खान चितलवाना, संजू खान रानीवाड़ा, रजाक जसवंतपुरा को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं नगर अध्यक्ष सकुर खान लोहार जालोर, हबीब खान भाटी सायला, सिकंदर खान आहोर, दाऊद खान भीनमाल और अमित खान पार्षद सांचौर को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पदाधिकारी ने बताया की नई कार्यकारिणी में अनुभवी में सक्रिय कार्यकर्ताओं का स्थान दिया गया है जिसमें संगठन को गांव-गांव तक मजबूती मिलेगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचा जा सकेगा। नव नियुक्ति अधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया। जिला अध्यक्ष जाकिर खां जालोर ने सभी को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वह संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाते हुए कांग्रेस पार्टी को और सशक्त बनाएंगे।

झारिया की मोरी भाई जी चौक पर गंदे नालों के टूटे चैंबर

-सड़क पर फंस रही गाड़ियां-बाइक, राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाई जी चौक झारिया की मोरी पर चेंबर टूटे हुए हैं। जिनसे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है वहां के एक दुकानदार अमरचंद सिंधी ने बताया कि कल एक कार बुरी तरह से चेंबर में फस गई थी। काफी गन्दा पानी भरा हुआ था बड़ी ही मशक्कत के बाद उस कार को निकाला उस कार में परिवार सहित छोटे बच्चे भी थे उन सबको गाड़ी से नीचे उतारा जहां पर गंदा पानी भरा हुआ था। बच्चे पानी में उतरे उसके बाद आते जाते लोगों से कहकर उस गाड़ी को उठाकर बाहर निकाला गया। पास हीं में रहने वाली महिला किरण प्रजापत ने बताया कि यह चैंबर 10-15 रोज से टूटा हुआ है इसकी काफी बार शिकायत भी की गई है लेकिन प्रशासन ने अभी तक

कोई ध्यान नहीं दिया है। इसमें कार, टैक्सी, बाइक फंस जाती हैं यहां तक की लोग गिर भी जाते हैं। क्योंकि यह बाजार का मुख्य रास्ता है पास में सब्जी मंडी है। आसपास के देहात के लोग भी गाड़ियों से आते हैं और झारिया की मोरी पर ही पार्किंग करते हैं। काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कई जगह पर चेम्बर टूटे हुए हैं। काफी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। अमरचंद सिंधी, किरण प्रजापत, मौली देवी, सुल्तान बच्चू, अली मोहम्मद चेजारा, सोनू प्रजापत, मन्नान खान, शुभम शर्मा, हर्ष शर्मा, शेखू बजाज, सीताराम सांखला, ऐमहम्मुद राणा, पवन बजाज, रामानंद पाटोदिया, आदि बड़ी संख्या में बाजार के दुकानदार उपस्थित रहे एवं नगर परिषद प्रशासन का विरोध किया।

डॉक्टर्स टीम ने बुझते चिराग की बचाई जिंदगी- डॉ. एमएम पुकार

-साइकिल से गिरने पर 15 वर्षीय बालक की फटी तिल्ली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। गवर्नमेंट डीबी अस्पताल में रविवार दोपहर पेट में तिल्ली फटने से घायल हुए 15 वर्षीय बालक का तुरन्त आपरेशन कर उसकी जान बचायी गयी। 45 मिनट तक चले आपरेशन के बाद बालक की हालत अब स्थिर हैं। बालक को अस्पताल के सर्जिकल आईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया। रविवार की छुट्टी होने के बाद भी बालक की जान बचाने के लिए मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार की टीम ने तुरन्त आपरेशन कर बच्चे की जान बचा ली। अस्पताल में रामपुरा बेरी निवासी अजय ने बताया कि उसके मामा का बेटा 15 वर्षीय मिलन रविवार को घर में साइकिल चला रहा था। तभी अचानक साइकिल का अगला टायर निकल गया। गिरने से साइकिल के स्टेयरिंग की मिलन के पेट में तेज चोट लगी। जिससे वह बेहोश हो गया। परिवार के लोगों ने तुरन्त उसे गांव में रहने वाले निजी डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। जहां मिलन

की गंभीर स्थिति को देखते हुए निजी डॉक्टर ने उसे राजगढ़ के सरकारी अस्पताल लेकर जाने की बात कहीं। परिजन गंभीर हालत में घायल मिलन को लेकर राजगढ़ के सरकारी लेकर पहुंचे। जहां उसकी सोनोग्राफी की गयी। जिसमें सामने आया कि पेट में गंभीर चोट लगी हैं। लगातार पेट में अंदरूनी ब्लीडिंग हो रही हैं। मिलन की बिगड़ती तबीयत को देखते हुए राजगढ़ के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने प्राथमिक ईलाज के बाद उसे चूरू के डीबी अस्पताल रैफर किया। डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचने पर बालक की स्थिति अधिक गंभीर हो गयी। इमरजेंसी स्टाफ ने इसकी जानकारी मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. पुकार को दी। डॉ. पुकार ने इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर आन ड्यूटी स्टाफ से बालक के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं तुरन्त उसकी सीटी स्केन सहित अन्य जांचे करवायी। जिसमें सामने आया कि मिलन के पेट में तिल्ली फट गयी हैं। वहीं पेट में करीब डेढ़ लीटर ब्लड एकत्रित हो रखा हैं। जिससे मिलन की जान भी जा सकती थी। इसलिए प्रिंसिपल डॉ. पुकार ने तुरन्त आपरेशन करने का निर्णय लिया। रविवार को छुट्टी का दिन होने के बाद भी ऑपरेशन थियेटर खुलवाया और टीम का गठन किया। करीब 45 मिनट तक आपरेशन चला। जिसके पेट से करीब डेढ़ लीटर एकत्रित ब्लड भी बाहर निकाला गया हैं। सफल आपरेशन के बाद बालक की हालत में सुधार हैं। जो एसआईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया हैं। अजय ने बताया कि डॉ. पुकार ने आज एक घर के बुझते चिराग को बचाया हैं। मिलन अपने माता पिता की इकलौती संतान हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सरकारी योजनाओं के अनुसार निःशुल्क हुआ है। मिलन की हालत गंभीर थी मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि जिस समय मिलन को अस्पताल लेकर आये थे। उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। पेट में लगातार दर्द बढ़ने की शिकायत हो रही थी। सीटी स्केन करवाने पर सामने आया कि पेट में साइकिल का स्टेयरिंग लगने से उसकी तिल्ली फट गयी हैं। जिसका तुरन्त आपरेशन कर उसकी जान बचायी गयी। इस टीम ने किया आपरेशन 15 वर्षीय मिलन का आपरेशन मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार के नेतृत्व में डॉ. गजानन्द रसगनिया, डॉ. विनय जानू, एनेस्थेटिक डॉ. मोनिका, डॉ. गरिमा, नर्सिंग आफिसर राहुल शर्मा, मंगल शामिल थे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

अखिल भारतीय मनिहार ऑर्गेनाइजेशन कॉनफेडरेशन का चुनाव संपन्न

-अहमद सिद्दीकी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एडवोकेट रियाजुद्दीन मनिहार राष्ट्रीय महासचिव चुने गए

अहमद सईद सिद्दीकी | रियाजुद्दीन मनियार | जुबेर अहमद

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय मनिहार ऑर्गेनाइजेशन कॉनफेडरेशन के राष्ट्रीय स्तर पर 17 मई 2026 को चुनाव सम्पन्न करवाए गए । चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी की ओर से पूरी अमानतदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न करवाई गई । देश भर में कुल 835 पंजीकृत मतदाताओं में से 457 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया । संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया उम्मीदवारों एवं उनके अधिकृत एजेंटों की मौजूदगी और निगरानी में संपन्न करवाई गई । मतदान से लेकर मतगणना और परिणाम की घोषणा तक पूरी कार्यवाही बिरादरी के सामने खुले और जम्हूरी तरीके से संपन्न हुई।

चुनाव परिणाम निम्न अनुसार रहे -

राष्ट्रीय अध्यक्ष- अहमद सईद सिद्दीकी

राष्ट्रीय महासचिव- रियाजुद्दीन मनिहार

राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार- एडवोकेट जुबैर सिद्दीकी विजयी घोषित किये गये।

चुनावों में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर अहमद सिद्दीकी ने 231 वोट लेकर प्रतिद्वंदी उम्मीदवार अफजल सिद्दीकी (227) को चार वोटों से हराया। इसी तरह राष्ट्रीय महासचिव पद पर रियाजुद्दीन मनिहार (239) ने प्रतिद्वंदी उम्मीदवार अब्दुल सलाम जौहर (219) को 20 वोटों से हराया । राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार पद पर एडवोकेट जुबैर सिद्दीकी (259) ने विरोधी उम्मीदवार एडवोकेट इमरान सिद्दीकी (198) को 61 वोटों से हराया। मनिहार समाज का राष्ट्रीय स्तर पर यह पहला चुनाव था । मनिहार समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी देश की राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह जानकारी राजस्थान मनिहार विकास समिति के अध्यक्ष एवं जलदाय विभाग राजस्थान के पूर्व चीफ इंजीनियर आई.डी. खान ने दी।

उमर खालिद को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत

-3 दिन के लिए जेल से आएंगे बाहर

नई दिल्ली। दिल्ली दंगे 2020 के आरोपी उमर खालिद को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है । उमर खालिद को अपनी मां की सर्जरी के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत मिली है, जिसके तहत वह बाहर आ सकेंगे । जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली दंगा मामले में उमर खालिद पर UAPA के तहत केस दर्ज किया गया था। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मधु जैन की बेंच ने आदेश दिया है कि उमर खालिद 1 जून 2026 से लेकर 3 जून 2026 तक सशर्त जेल से बाहर आ सकेंगे।

2 जून को होनी है मां की सर्जरी

उमर खालिद ने अपनी याचिका में 15 दिन की जमानत की मांग की थी। खालिद का कहना था कि उन्हें अपने दिवंगत चाचा के चेहल्लुम (चालीसवीं) की रस्म में शामिल होने के साथ-साथ अपनी मां के प्री और पोस्ट सर्जरी के लिए उनके साथ रहना होगा, सर्जरी 2 जून को होनी है।

दिल्ली पुलिस के वकील ने किया था जमानत का विरोध

ट्रायल कोर्ट ने बीते 19 मई को उमर खालिद की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी। सीनियर एडवोकेट त्रिदीप पाइस ने उमर खालिद के पक्ष में कहा कि उन्हें पहले भी अपनी बहन की शादी के लिए अंतरिम जमानत दी जा चुकी है। वहीं, दिल्ली पुलिस के वकील का कहना था कि खालिद की मां की सर्जरी छोटी है और उनका ख्याल रखने के लिए उनकी बहनें भी हैं।

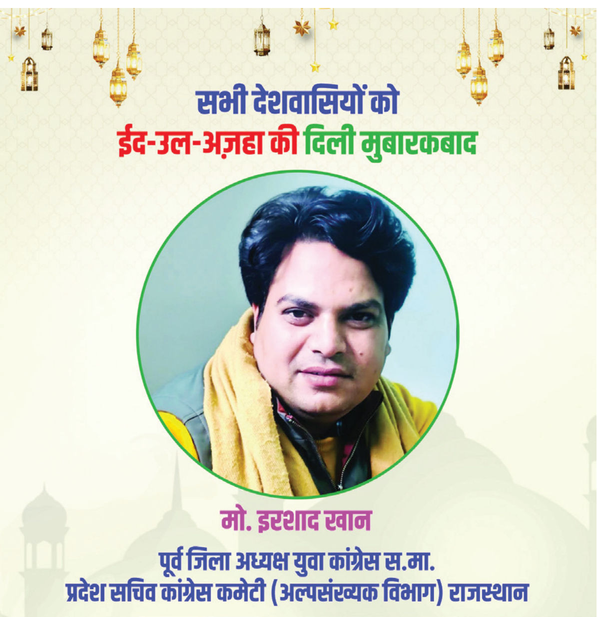

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com